दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक K ✌ K

RNI No.61546/95

क्षितिज ✌ किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे | नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-32 अंक-61 नर्मदापुरम (होशंगाबाद) रविवार 12 अप्रैल 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

सुप्रीम कोर्ट की अहम टिप्पणी, वोट देना और चुनाव लड़ना, मौलिक अधिकार नहीं, ये वैधानिक अधिकार

नई दिल्ली,(ए.)। सुप्रीम कोर्ट ने फिर स्पष्ट किया है कि वोट देने और चुनाव लड़ने का अधिकार मौलिक अधिकार नहीं हैं, बल्कि ये वैधानिक अधिकार हैं। यह अहम टिप्पणी सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने की जिसमें जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस आर महादेवन शामिल थे। शीर्ष अदालत ने कहा कि यह स्थापित कानूनी सिद्धांत है कि न मताधिकार और न ही चुनाव लड़ने का अधिकार संविधान के मौलिक अधिकारों में शामिल हैं। हालांकि, ये दोनों अधिकार लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं, लेकिन इनका स्रोत संविधान के बजाय कानूनों में निहित है। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि वोट देने और चुनाव लड़ने के अधिकार में मूलभूत अंतर है। मतदान का अधिकार नागरिकों को चुनाव प्रक्रिया में भाग लेने का मौका देता है, जबकि चुनाव लड़ने का अधिकार अधिक कड़े नियमों और शर्तों के अधीन होता है। इसमें उम्मीदवार की योग्यता, अयोग्यता, प्रशासनिक आवश्यकताएं और संस्थागत नियम शामिल होते हैं। इसलिए चुनाव लड़ना एक नियंत्रित प्रक्रिया है, जिसमें विभिन्न कानूनी मानदंड लागू होते हैं।दरअसल मामला राजस्थान के जिला दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ के चुनावी नियमों से संबंधित था। इन संघों का संचालन तीन-स्तरीय ढांचे के अनुसार होता है और इनके लिए राज्य कानूनों तथा बायलॉज के माध्यम से उम्मीदवारों की पात्रता तय की जाती है। इन नियमों में दूध की आपूर्ति, गुणवत्ता, संघ की वित्तीय स्थिति और ऑडिट जैसे मानदंड शामिल थे। कुछ सहकारी समितियों ने इन नियमों को चुनौती देकर राजस्थान हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। 2015 में हाई कोर्ट की एकल पीठ ने इन बायलॉज को अवैध बताकर रद्द कर दिया, जबकि पहले हुए चुनावों को वैध बनाए रखा। बाद में 2022 में डिविजन बेंच ने भी फैसले को बरकरार रखा। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट के तर्कों से असहमति जताकर कहा कि इस प्रकार की रिट याचिकाओं की स्वीकार्यता पर सवाल उठते हैं। शीर्ष अदालत ने संकेत दिया कि इसतरह के मामलों में न्यायिक हस्तक्षेप सीमित होना चाहिए, जब तक कि कोई स्पष्ट संवैधानिक उल्लंघन न हो।

35 साल से फरार आरोपी अरेस्ट, 1991 में हत्या की घटना को दिया था अंजाम

नई दिल्ली,(आरएनएस)। कहते हैं कानून के हाथ लंबे होते हैं, देर से ही सही अपराधी की गर्दन तक पहुंच ही जाते हैं. ऐसा ही कुछ साबित कर दिया है कि दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने. जहां 35 साल से फरार चल रहे आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है, आरोपी 1991 से फरार चल रहा है.ये 35 साल पुराने सनसनीखेज हत्या के मामले में बड़ी कार्रवाई है. आरोपी की पहचान छवि लाल वर्मा के रूप में हुई है, जो वारदात के बाद से लगातार ठिकाने बदलकर पुलिस से बचता रहा.पुलिस के मुताबिक, 2 अगस्त 1991 को त्रिलोकपुरी थाना क्षेत्र के वेस्ट विनोद नगर में एक महिला की बेरहमी से चाकू मारकर हत्या कर दी गई थी, जबकि उसके बेटे पर भी जानलेवा हमला किया गया था. घायल बेटे को इलाज के बाद बचा लिया गया था, लेकिन महिला ने अस्पताल में दम तोड़ दिया।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी पश्चिम मेदिनीपुर जिले के केशियरी में राज्य विधानसभा चुनावों से पहले एक जनसभा को संबोधित करती हुई।

मथुरा नाव हादसा

मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 11 हुआ, 4 अब भी लापता; नाव मालिक गिरफ्तार

मथुरा (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के मथुरा में बीते दिन हुए नाव हादसे में मरने वालों का आंकड़ा बढ़कर 11 हो गया है। वहीं, 4 लोग अब भी लापता है, जिनकी तलाश में बचाव दल जुटे हुए हैं। पुलिस ने बताया कि 22 लोगों को बचाया गया है और डूबी हुई नाव को भी बाहर निकाल लिया गया है। हादसे के बाद फरार हुए नाव मालिक को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।हादसा के कई घंटों बाद भी 4 लोग लापता हैं। इनकी तलाश में 200 से ज्यादा गोताखोर जुटे हुए हैं। कल शाम से ही सेना भी बचाव अभियान में शामिल है। अधिकारियों का कहना है कि यमुना नदी का बहाव तेज होने की वजह से लोगों के दूर तक बहने की आशंका है। बचाव टीम के सदस्य 15 किलोमीटर तक के दायरे में लापता लोगों की तलाश कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज लाड़ली बहनों के खातों में राशि करेंगे अंतरित

- सीहोर के आष्टा में 1.25 करोड़ बहनों के खातों में पहुँचेंगे 1836 करोड़ रूपये
- 184 करोड़ से अधिक के विकास एवं निर्माण कार्यों का करेंगे लोकार्पण एवं भूमि-पूजन

भोपाल (आरएनएस)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 12 अप्रैल को सीहोर जिले के आष्टा में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश की एक करोड़ 25 लाख से अधिक लाड़ली बहनों के खाते में 1836 करोड़ रूपये से अधिक की राशि अंतरित करेंगे।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव 184 करोड़ 92 लाख रूपये की लागत के विकास एवं निर्माण कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि-पूजन भी करेंगे। इन कार्यों में 115 करोड़ 32 लाख रूपये के कार्यों का लोकार्पण एवं 69 करोड़ 60 लाख रूपये के कार्यों का भूमि-पूजन शामिल है।

नारी सशक्तिकरण के लिये संसद की बैठक होगी ऐतिहासिक : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल (आरएनएस)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि आगामी 16 अप्रैल को संसद में ऐतिहासिक बैठक होने जा रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर देश की सबसे बड़ी पंचायत संसद में महिला आरक्षण से जुड़े विषय पर विधेयक पारित करवाने के लिये विशेष सत्र का आयोजन किया गया है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के कार्यकाल में देश की जनता के समग्र कल्याण और चहुँमुखी विकास के लिये अभूतपूर्व कार्य किये गये हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी के द्वारा देश की आधी आबादी के सशक्तिकरण के लिये दृढ़संकल्पित होकर नारीशक्ति वंदन अधिनियम को पारित करवाने के लिये संकल्पबद्ध होकर कार्य करना नारी सशक्तिकरण के लिये उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

आशा भोसले को आया हार्ट अटैक, ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती

-अस्पताल या परिवार की ओर से ऑफिशियल बयान नहीं

मुंबई (ए) । बॉलीवुड की मशहूर गायिका आशा भोसले को शनिवार रात हार्ट अटैक आया। उन्हें मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल के ICU में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। फिलहाल डॉक्टरों की टीम उनकी निगरानी कर रही है, लेकिन उनकी हालत को लेकर अस्पताल या परिवार की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

आशा भोसले ने 8 सितंबर 2025 को अपना 92वां जन्मदिन मनाया था। हालांकि परिवार की ओर कोई भी ऑफिशियल बयान नहीं आया है। उनकी की बहन उषा मंगेशकर ने कहा कि अभी उन्हें इस बारे में कोई जानकारी नहीं है। दिग्गज सिंगर आशा भोसले ने हर शैली के गीतों में अपनी मधुर आवाज का जादू बिखेरा। उनकी आवाज की मिठास ऐसी है कि आज भी लोगों के दिलों पर राज करती है। अपने करियर में 12,000 से ज्यादा गीत गा चुकीं आशा भोसले के लिए संगीत का सफर इतना भी आसान नहीं था। 9 साल की उम्र में ही पिता का साया उठ गया था।

ओडिशा के कोरापुट में बस और ट्रक की भीषण टक्कर, एक यात्री की मौत...15 लोग घायल

कोरापुट (आरएनएस)। ओडिशा के कोरापुट जिले में सवारियों से भरी स्टेट रोड ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन की वॉल्वो बस और ट्रक के बीच टक्कर हो गई. इस सड़क हादसे में एक यात्री की मौत हो गई और 15 लोग घायल हो गए। खबर के मुताबिक, यह सड़क हादसा कोरापुट जिले पोट्टांगी ब्लॉक में हुई. बस कालाहांडी जिले के भवानीपटना से विशाखापटना जा रही थी. इसी दौरान सुबह करीब 3 बजे सुनकी घाट रोड के दूसरे मोड़ पर यह दूसरी तरफ से आ रहे एक ट्रक से टकरा गई. इस वजह से बस का बैलेंस बिगड़ गया और वह 30 फीट नीचे खाई में गिर गई।

भाजपा सत्ता में आई तो सिंडिकेट चलाने वालों को उल्टा लटका देंगे: अमित शाह

बांकुड़ा/ खड़गपुर/ कोलकाता, (आरएनएस)। बंगाल में सियासी संग्राम जम गया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज पश्चिम बंगाल के बांकुड़ा व खड़गपुर में चुनावी रैली को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने राज्य सरकार और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि बंगाल में अवैध रूप से रहने वालों को अगर कोई हटा सकता है, तो वह सिर्फ भारतीय जनता पार्टी ही है। अमित शाह ने वादा किया कि भाजपा की सरकार बनने के बाद सभी अवैध लोगों की पहचान कर उन्हें बाहर किया जाएगा। शाह ने कहा कि भाजपा को सत्ता में लाओ, हम सिंडिकेट चलाने वालों को उल्टा लटका देंगे। केंद्रीय मंत्री ने ममता बनर्जी की तुलना हीरक की रानी से करते हुए कहा कि इस रानी को 23 तारीख को हटाना जरूरी है। उन्होंने आरोप लगाया कि बंगाल से ओडिशा और झारखंड में आलू की सप्लाई बंद कर दी गई है।

अगर भाजपा सत्ता में आई, तो यह सप्लाई फिर से शुरू होगी। ममता बनर्जी के इस फैसले के कारण 20 रुपए का आलू 2 रुपए में बिक रहा है।अमित शाह ने यह भी आरोप लगाया कि केंद्र द्वारा बंगाल के विकास के लिए भेजे गए फंड को टीएमसी के सिंडिकेट ने हड़प लिया। उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार आने पर टीएमसी को हर एक पैसे का हिसाब देना होगा।

केंद्रीय मंत्री शांतनु ठाकुर के काफिले की ट्रैक्टर से टक्कर, बाल-बाल बचे

मुर्शिदाबाद,(आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनसभा में शामिल होने जा रहे केंद्रीय राज्य मंत्री शांतनु ठाकुर का काफिला शनिवार को मुर्शिदाबाद में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। बहरमपुर थाना क्षेत्र के बलरामपुर इलाके में काफिले की एक गाड़ी की ट्रैक्टर से जोरदार टक्कर हो गई, जिससे दोनों वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टक्कर इतनी तेज थी कि ट्रैक्टर का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, जबकि काफिले की गाड़ी को भी नुकसान पहुंचा।

एमपी ट्रांसको के इटारसी के इंजीनियर आशुतोष राय की केस स्टडी को मिली अंतरराष्ट्रीय पहचान

नर्मदापुरम(निप्र)। मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) इटारसी के ट्रांसमिशन लाइन मेंटेनेंस के सहायक अभियंता आशुतोष राय द्वारा तैयार एक तकनीकी केस स्टडी प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय जर्नल,वॉटर एंड एनर्जी इंटरनेशनल में प्रकाशित हुई है।जिसकी व्यापक सराहना इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग क्षेत्र मे देश - विदेश के नामी विशेषज्ञों ने भी की है। इंजीनियर जितेंद्र तिवारी सह लेखक के साथ तैयार की गई यह केस स्टडी 35 वर्ष से अधिक पुरानी ट्रांसमिशन लाइनों में बिजली गिरने से होने वाली समस्याओं के समाधान पर आधारित है। इसमें स्पेशल पिट आधारित अर्थिंग तकनीक के माध्यम से टॉवर फुटिंग इम्पीडेंस कम करने और फॉल्ट क्लियरिंग समय सुधारने का सफल प्रयोग प्रस्तुत किया गया है। जिससे ट्रांसमिशन सिस्टम की स्थिरता और विश्वसनीयता में सुधार होता है।

संसद में प्रधानमंत्री मोदी और राहुल गांधी के बीच बातचीत, हाथ जोड़ हाल-चाल पूछा

नईदिल्ली(आरएनएस)। 5 राज्यों में चुनावी घमासान के बीच कांग्रेस और भाजपा आमने-सामने हैं, लेकिन संसद के गलियारे से बेहद खास तस्वीर सामने आई है। संसद में आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी अचानक आमने-सामने आ गए। इस दौरान राहुल ने हाथ जोड़कर प्रधानमंत्री का अभिवादन किया। प्रधानमंत्री ने भी हाथ जोड़कर उनके अभिवादन को स्वीकार किया। इसके बाद दोनों नेताओं के बीच देर तक बातचीत होती रही। दरअसल, प्रधानमंत्री महात्मा ज्योतिबा फुले की 200वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि देने प्रेरणा स्थल जा रहे थे। इस दौरान वे कार से उतरे तो वहां राहुल भी खड़े हुए थे।

उनके साथ लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल और पूर्व राज्यसभा उपसभापति हरिवंश सहित कई वरिष्ठ नेता और गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे। इसके बाद प्रधानमंत्री ने राहुल से कुछ देर रुककर बातचीत की। दोनों नेताओं ने एक-दूसरे के करीब खड़े होकर गंभीरता से बातचीत की।

विद्यार्थियों को दिखाई उज्जवल भविष्य की दिशा

'स्प्रिंगडेल्स स्कूल में करियर काउंसलिंग सत्र का आयोजन'

नर्मदापुरम(निप्र)। स्प्रिंगडेल्स सीनियर सेकेंण्डरी स्कूल में 11 अप्रैल 2026 को सीनियर सेकेंण्डरी विद्यार्थियों के लिए एक प्रभावशाली एवं मार्गदर्शक करियर काउंसलिंग सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रख्यात करियर काउंसलर एवं रिसोर्स पर्सन अपूर्व वैष्णव मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित होकर मार्गदर्शन दिया।उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि करियर का चयन केवल अंकों के आधार पर नहीं, बल्कि व्यक्तिगत रुचि, क्षमता और बदलते समय की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर करना चाहिए। उन्होंने डेटा साइंस, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डिजिटल मार्केटिंग, डिजाइनिंग और फॉरेंसिक साइंस जैसे उभरते क्षेत्रों में उपलब्ध अवसरों की विस्तृत जानकारी दी।सत्र के दौरान समय प्रबंधन, लक्ष्य निर्धारण एवं निरंतर प्रयास के महत्व पर भी प्रकाश डाला गया। विद्यार्थियों और अभिभावकों के साथ संवाद के माध्यम से उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया गया, जिससे कार्यक्रम और अधिक प्रभावी बन गया।इस अवसर पर प्राचार्य श्रीमती मोना चटर्जी ने बताया कि विद्यालय का करियर काउंसिलिंग सेल प्रत्येक विद्यार्थी की क्षमता, इच्छा और पालकों की अपेक्षा के अनुसार करियर चयन कर उचित मार्गदर्शन प्रदान कर रहा है, जिसमें पूरे वर्ष देश के विशेषज्ञ आकर बच्चों को मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। आज के कार्यक्रम में विद्यार्थी एवं अभिभावक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में छात्रा भव्या चौबे ने आभार व्यक्त किया। यह सत्र विद्यार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध हुआ और उन्हें अपने करियर के प्रति नई दिशा एवं आत्मविश्वास प्राप्त किया।

किसान देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़, किसानों के विकास के लिए हम हैं प्रतिबद्ध : केन्द्रीय रक्षा मंत्री श्री सिंह

किसानों के श्रम से देश का खाद्यान्न निर्यात हुआ दोगुना : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

रायसेन/ भोपाल (ए.)। केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि देश की सीमा पर जवान और खेतों में किसान दोनों का समान महत्व है। दोनों ही अपनी मिट्टी के प्राण-प्रण से सेवा में तत्पर रहते हैं। किसान हमारे देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, हमारी ताकत हैं। इनके बिना हमारे भोजन की थाली अधूरी है। किसानों की मुस्कान ही हमारी पूंजी है। उन्होंने कहा कि खेती-किसानी बड़े जोखिम का काम है, फिर भी हमारे किसान पूरी मेहनत और लगन से देशवासियों का उदर-पोषण करते हैं। रक्षा मंत्री ने कहा कि वे स्वयं एक किसान पुत्र हैं। किसानों की वेदना और उनकी जरूरतों से वाकिफ हैं। किसानों का कल्याण हमारा लक्ष्य है। इनकी बेहतरी के लिए हम संकल्पबद्ध होकर प्रयास कर रहे हैं। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि देश के किसानों के कल्याण की दिशा में हमारा मजबूत प्रयास है। किसान सम्मान निधि के रूप में हर पात्र किसान के बैंक खाते में 6000 रुपए सीधे ट्रांसफर किये जा रहे हैं, जिससे वे खाद, बीज और खेती-किसानी के अन्य जरूरी समान खरीद सकें। यह किसानों की मेहनत का सम्मान है। अब तक हमारी सरकार हजारों करोड़ रुपए की सहायता किसान भाइयों को दे चुकी है। उन्होंने किसानों के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि गांव, गरीब, नारी, युवा और खेती-किसानी की लगातार बेहतरी के लिए हमारे प्रयास आगे भी इसी तरह जारी रहेंगे। केन्द्रीय रक्षा मंत्री श्री सिंह शनिवार को रायसेन के दशहरा मैदान में आयोजित उन्नत कृषि महोत्सव-2026 को संबोधित कर रहे थे।

केन्द्रीय रक्षा मंत्री श्री सिंह, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा त्रि-दिवसीय कृषि महोत्सव प्रदर्शनी एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का दीप प्रज्ज्वलित कर विधिवत् शुभारंभ किया गया। केन्द्रीय कृषि मंत्रालय एवं राज्य शासन के कृषि विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस

केन्द्रीय रक्षा मंत्री श्री सिंह, मुख्यमंत्री डॉ. यादव एवं केन्द्रीय कृषि मंत्री की उपस्थिति में रायसेन में 3 दिवसीय उन्नत कृषि महोत्सव-2026 का हुआ शुभारंभ

कार्यक्रम में किसानों को मृदा परीक्षण में मदद के लिए स्वॉइल मोबाइल ऐप ई-फॉर्म लान्च किया गया। इस ऐप की मदद से किसान बंधु खुद अपने खेत की मिट्टी की सेहत जांच सकेंगे। कार्यक्रम में नरवाई प्रबंधन, कस्टम हायरिंग एवं अन्य शासकीय योजनाओं के 10 क्षेत्रीय हितग्राही किसानों को मंच से हितलाभ वितरित किए गए। इस दौरान देश में कृषि क्षेत्र में तेजी से हो रहे विकास पर केंद्रित आकर्षक लघु फिल्म (एवी) का प्रदर्शन भी किया गया। उन्नत कृषि महोत्सव 13 अप्रैल तक चलेगा।

केन्द्रीय रक्षा मंत्री श्री सिंह ने मध्यप्रदेश की जनता को बधाई देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के सशक्त एवं कर्मठ नेतृत्व में मध्यप्रदेश लगातार विकास के पथ पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि रायसेन की उर्वर भूमि पर हो रहा यह उन्नत कृषि महोत्सव प्रदेश के किसानों की तकदीर और उनकी माली हालत की तस्वीर बदलने में बेहद सहायक सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि इस कृषि महोत्सव में किसानों को सरकारी योजनाओं के साथ बिचौलियों से मुक्त बाजार सहित वेयर हॉउसिंग और कोल्ड स्टोरेज स्थापित करने के लिए सभी महत्वपूर्ण जानकारियां दी जा रही हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने देश के हृदय प्रदेश को एक अलग पहचान दी है। मध्यप्रदेश के किसानों की मेहनत और लगन प्रेरणादायी है। प्रदेश की जनता का अतिथि सत्कार दिल जीत लेता है, यह मध्यप्रदेश की खासियत है।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना किसानों के लिए उपहार

केन्द्रीय रक्षा मंत्री श्री सिंह ने कहा कि बीते सालों में केंद्र सरकार ने किसानों के लिए बेमिसाल कार्य किए हैं। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना किसानों के लिए एक उपहार की तरह है। इसमें प्राकृतिक आपदा से फसलों को हुए नुकसान की भरपाई अब फसल बीमा के माध्यम से की जा रही है। भारत सरकार ने देश के सभी किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड दिए हैं। इसकी मदद से किसान पता लगा पा रहे हैं कि उनके खेत में कौन सी फसल ली जा सकती है और उन्हें खाद की कितनी मात्रा डालनी है। इससे कृषि की लागत घटी है। भारत सरकार ने गांव-गांव तक सड़कें, नल से जल, बिजली कनेक्शन दिए और गांवों को शहरों से जोड़ा है। देशभर की मंडियां ऑनलाइन होने से किसान अब घर बैठे अपनी उपज बेच सकता है। हमारी सरकार ने फसलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि किसानों और गांवों के लिए अभी भी बहुत कुछ करना शेष है। किसानों के कल्याण के लिए धन की कमी कभी आड़े नहीं आएगी। उन्होंने कहा कि वे देश के रक्षा मंत्री है, लेकिन दिल से एक किसान भी हैं। केन्द्रीय रक्षा मंत्री श्री सिंह ने किसानों के हित में रक्षा मंत्रालय द्वारा किए गए नवाचार की जानकारी देते हुए बताया कि हमने देशभर में मौजूद सेना की छावनियों के आसपास के किसानों से ही प्राकृतिक खेती से पैदा किए गए फल एवं सब्जियां खरीदने का निर्णय लिया है। प्राकृतिक और जैविक खेती से पैदा फल और सब्जियां के उपभोग से जवानों की सेहत भी अच्छी हुई है। हमने इन खाद्य उत्पादों को बाहर से बुलवाना बंद कर दिया है। इससे किसानों की आमदनी बढ़ी है और उनका जीवन स्तर बेहतर हुआ है। रक्षा मंत्रालय ने श्रीअन्न को भी प्रोत्साहन दिया है।

मप्र में पेट्रोलियम पदार्थों की कोई कमी नहीं, कालाबाजारी पर कार्रवाई जारी, 4 हजार से ज्यादा एलपीजी सिलेंडर जब्त

भोपाल, (निप्र.)। मध्य प्रदेश के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविन्द सिंह राजपूत ने बताया कि प्रदेश में पर्याप्त मात्रा में पेट्रोलियम पदार्थ उपलब्ध है। प्रदेश में आवश्यक वस्तु अधिनियम के अन्तर्गत एलपीजी की कालाबाजारी रोकने के लिये निरंतर कार्यवाही की जा

रही है। खाद्य मंत्री राजपूत ने शनिवार को बताया कि अभी तक 2866 स्थानों पर जांच की गई, 4283 एलपीजी सिलेण्डर जब्त किये गए तथा 11 प्रकरणों में एफआईआर दर्ज कराई गई। प्रदेश के 738 रिटेल आउटलेट (पेट्रोल पंप) की जांच कराई गई है। इसमें 1 प्रकरण में एफ.आई.आर. दर्ज कराई गई है। प्रदेश के समस्त जिला आपूर्ति नियंत्रक/अधिकारी एवं ऑयल कंपनी के अधिकारियों को सतत् रूप से पेट्रोल पंपों की जांच करने के निर्देश दिये गये हैं। उन्होंने कहा कि भारत में कच्चे तेल का पर्याप्त भण्डार है, देश एवं प्रदेश की सभी रिफाइनरियां पूरी क्षमता के साथ काम कर रही हैं जिससे पेट्रोलियम पदार्थों की निरंतर सप्लाई हो सके एवं सप्लाई में कोई रुकावट न आए। मध्यप्रदेश और पूरे देश में एलपीजी (LPG) पेट्रोल, डीजल, पीएनजी एवं सीएनजी का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है।

विश्व होम्योपैथी दिवस पर नि:शुल्क होम्योपैथी स्वास्थ्य शिविर

भोपाल, (निप्र.)। जिला आयुष अधिकारी डॉ. अंतिम नलवाया के मार्गदर्शन में भोपाल मे मनाया गया। होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति के जनक डॉ सैमुअल हैनीमैन जी की 271वीं जंयती के उपलक्ष्य में जिले के शासकीय होम्योपैथी औषधालयों तथा आयुष विंग द्वारा नि:शुल्क होम्योपैथी स्वास्थ्य शिविर एवं होम्योपैथी प्रचार प्रसार हेतु जन जागरूकता कार्यक्रम, स्वास्थ्य परामर्श का आयोजन किया। शासकीय होम्योपैथी औषधालय विधायक विश्राम गृह भोपाल में शिविर का शुभारंभ प्रमुख सचिव विधानसभा द्वारा होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति के जनक डॉ. सैमुअल हैनीमैन जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया गया। होम्योपैथी चिकित्सा अधिकारी विधायक विश्राम गृह डॉ.उधम साहू द्वारा विश्व होम्योपैथी दिवस की थीम दीर्घकालिक स्वास्थ्य के लिए होम्योपैथी होम्योपैथी के माध्यम से सामंजस्य :सीमाओं से परे उपचार व होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति के लाभों पर व्याख्यान किया।

मप्र में यूसीसी पर सियासत तेज, उमंग सिंघार का सरकार पर हमला, कहा-आदिवासी अस्मिता से समझौता नहीं

भोपाल,(निप्र)। मध्य प्रदेश में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को लेकर सियासी बहस तेज हो गई है। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने इस मुद्दे पर कड़ा रुख अपनाते हुए कहा है कि यूसीसी के नाम

पर आदिवासी समाज की पहचान, परंपराओं और संवैधानिक अधिकारों से कोई समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। नेता प्रतिपक्ष सिंघार ने शनिवार को अपने बयान में कहा कि भारत जैसे विविधताओं वाले देश में एक समान कानून थोपना सामाजिक संतुलन को बिगाड़ सकता है। आदिवासी समाज सदियों से अपनी विशिष्ट परंपराओं, सामाजिक ढांचे और सांस्कृतिक पहचान के साथ जीवन जीता आया है। ऐसे में एकरूप कानून लागू करना उनकी अस्मिता के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 44 के तहत यूसीसी को नीति निदेशक तत्व में रखा गया था, न कि बाध्यकारी कानून के रूप में। संविधान निर्माताओं ने भी माना था कि इस विषय पर व्यापक सहमति जरूरी है। सिंघार ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार बिना पर्याप्त संवाद और लोकतांत्रिक प्रक्रिया के इसे लागू करने की दिशा में बढ़ रही है।

एचपीवी टीकाकरण की समीक्षा बैठक सम्पन्न

भोपाल (ए.)। एसडीएम डॉ. अर्चना रावत शर्मा की अध्यक्षता में शनिवार को एसडीएम कार्यालय टी.टी. नगर सर्किल स्थित 12 दफ्तर में एचपीवी टीकाकरण की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की शुरुआत में सभी विभागों की भूमिका और अभियान के महत्व पर प्रकाश डाला।स्वास्थ्य विभाग की ओर से जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. रितेश रावत एवं अनुविभागीय चिकित्सा अधिकारी डॉ.अनिमेष सिंह उपस्थित रहे। अधिकारियों द्वारा एचपीवी टीकाकरण अभियान की वर्तमान प्रगति, लक्ष्य पूर्ति की स्थिति एवं आगामी रणनीति पर विस्तृत प्रस्तुति दी गई। उन्होंने सभी विभागों को समन्वय बढ़ाने, लाभार्थियों की सटीक सूची तैयार करने तथा समयबद्ध टीकाकरण सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिये।

भोपाल पहुंचते ही थमी 'आंगनवाड़ी न्याय पदयात्रा', 200 किमी चलकर आए कार्यकर्ताओं को पुलिस ने रोका

भोपाल(ए.)। मध्य प्रदेश में आंगनवाड़ी और आशा कार्यकर्ताओं को सरकारी कर्मचारी का दर्जा देने की मांग को लेकर बैतूल से निकली 'आंगनवाड़ी न्याय पदयात्रा' शनिवार सुबह राजधानी पहुंचते ही थम गई।छात्र नेता रामकुमार नागवंशी के नेतृत्व में करीब 200 किलोमीटर का सफर तय कर भोपाल पहुंचे आंदोलनकारियों को बरकतुल्ला यूनिवर्सिटी के पास पुलिस ने रोक दिया। उन्हें आगे मुख्यमंत्री निवास की ओर बढ़ने की अनुमति नहीं दी गई और पास ही एक स्थान पर बैठा दिया गया।यह पदयात्रा एक अप्रैल को बैतूल जिले के अंबेडकर चौक से शुरू हुई थी। लक्ष्य था—11 दिनों में भोपाल पहुंचकर मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपना और आंगनवाड़ी व आशा कार्यकर्ताओं की समस्याओं को सीधे सरकार तक पहुंचाना। पूर्व छात्र नेता रामकुमार नागवंशी ने इस अभियान

को 'आंगनवाड़ी न्याय पदयात्रा' नाम दिया। उनका कहना है कि गांव-गांव में सेवाएं देने वाली आंगनवाड़ी और आशा कार्यकर्ताओं को न तो सम्मानजनक वेतन मिलता है और न ही सरकारी कर्मचारी का दर्जा। यह पदयात्रा उनके अधिकारों के लिए एक शांतिपूर्ण प्रयास है।

व्यक्तिगत अनुभव से शुरू हुआ आंदोलन

नागवंशी ने बताया कि उनके परिवार की महिलाएं भी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता हैं। उनके संघर्ष को करीब से देखने के बाद ही उन्होंने यह पहल की। उनके शब्दों में, यह सिर्फ मेरी नहीं, बल्कि लाखों महिलाओं की लड़ाई है, जो वर्षों से कम संसाधनों में काम कर रही हैं। शुक्रवार सुबह करीब 8:45 बजे जैसे ही पदयात्रा बरकतुल्ला यूनिवर्सिटी के पास पहुंची, पुलिस ने रास्ता रोक लिया। आंदोलनकारियों का आरोप है कि उन्हें मुख्यमंत्री निवास तक नहीं जाने दिया गया। पुलिस ने उन्हें समझाइश देकर वहीं रुकने को कहा।

10 नंबर मार्केट में अतिक्रमण हटाने पर व्यापारी ने खुद को आग लगाई

भोपाल (ए) । राजधानी के 10 नंबर मार्केट में अतिक्रमण हटाने के दौरान एक व्यापारी ने खुद को आग लगा ली। हालांकि, आग फैलती, उससे पहले ही आसपास खड़े लोगों ने उसे बुझा दिया। इससे व्यापारी मामूली रूप से झुलस गया। शनिवार को नगर निगम की टीम अतिक्रमण हटाने के लिए 10 नंबर मार्केट पहुंची थी। तभी यह घटनाक्रम हुआ।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि अतिक्रमण प्रभारी श्रृष्टि भदौरिया व उनकी टीम अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई कर रही थी। इसी दौरान एक दुकानदार ने नाराजगी जताते हुए खुद पर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगा दी।

अतिक्रमण अधिकारी श्रृष्टि भदौरिया ने बताया कि संबंधित दुकानदार नींबू पानी का ठेला लगा रहा था। जिसे पिछले 10 दिन से हटाने का बोल चुके थे। पार्किंग एरिया में किसी भी प्रकार का अतिक्रमण नहीं होने दिया जाता है। कई बार यहां कार्रवाई हो चुकी है। आज भी टीम कार्रवाई करने गई थी, लेकिन टीम पर दवाब बनाने के लिए दुकानदार ने यह सब किया है। घटना के बाद बाजार क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। वहीं, व्यापारियों में आक्रोश देखने को मिला।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को स्टेट हैंगर, भोपाल से विदाई दी।

मध्य प्रदेश पुलिस बैंड में 679 आरक्षक पदों पर भर्ती शुरू, 8वीं-10वीं पास को मौका

भोपाल (ए)। मध्य प्रदेश पुलिस में नौकरी की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए बड़ी खुशखबरी है। पुलिस मुख्यालय भोपाल के अधीन पुलिस बैंड में 679 आरक्षक पदों पर भर्ती प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इस भर्ती में 8वीं और 10वीं पास उम्मीदवार भी आवेदन कर सकते हैं, जिससे कम शैक्षणिक योग्यता वाले अभ्यर्थियों को भी सुनहरा अवसर मिला है। उल्लेखनीय है कि यह भर्ती प्रक्रिया पुलिस मुख्यालय भोपाल के अधीन संचालित की जा रही है। इस भर्ती प्रक्रिया के तहत आवेदन पूरी तरह से ऑनलाइन माध्यम से किए जाएंगे। इच्छुक उम्मीदवारों को आधिकारिक ऑनलाइन पोर्टल के जरिए अपना आवेदन प्रस्तुत करना होगा। विभाग द्वारा आवेदन की अंतिम तिथि 19 अप्रैल 2026 निर्धारित की गई है। ऐसे में अभ्यर्थियों को सलाह दी गई है कि वे समय सीमा के भीतर आवेदन प्रक्रिया पूरी कर लें, ताकि किसी भी प्रकार की असुविधा से बचा जा सके।

पुलिस बैंड में भर्ती होने के इच्छुक उम्मीदवारों के लिए एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि संगीत वाद्य यंत्रों का ज्ञान रखने वाले अभ्यर्थियों को प्राथमिकता दी जाएगी। यानी जिन युवाओं को ढोल, ट्रंपेट, क्लैरिनेट, सैक्सोफोन जैसे वाद्य यंत्रों का अनुभव है, उनके चयन की संभावना अधिक होगी। यह भर्ती विशेष रूप से उन प्रतिभाशाली युवाओं के लिए सुनहरा मौका है, जो संगीत के क्षेत्र में रुचि रखते हैं और साथ ही सरकारी नौकरी भी पाना चाहते हैं।पुलिस मुख्यालय के अधिकारियों के अनुसार इस भर्ती का मुख्य उद्देश्य पुलिस बैंड को और अधिक सशक्त बनाना है। वर्तमान में पुलिस बैंड विभिन्न सरकारी कार्यक्रमों, परेड, राष्ट्रीय पर्वों और विशेष आयोजनों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

अड़ीबाजी करने वाला लिस्टेड गुंडा छुरी सहित गिरफ्तार

भोपाल(ए)। कमला नगर थाना पुलिस ने इलाके में अड़ीबाजी करने वाले आदतन बदमाश को किया छुरी सहित गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार बीती 10 अप्रैल को कोटरा सुल्तानाबाद निवासी फरियादी हर्षवर्धन प्रताप सिह पिता अजय सिह (20) ने रिर्पोट दर्ज कराते हुए बताया की आरोपी सूरज सिरवैया ने उसके साथ अड़ीबाजी करते हुए गाली-गलौच कर मारपीट की और फिर शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गया। मामला दर्ज कर पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरु की। टभ्म् ने मुखबिर से मिली सूचना पर बदमाश सूजल सरवईया पिता अजय सखिया (21) निवासी मंदाकनी ओरचिड पेलेस ई-3 कोलार रोड को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी लेने पर उसके पास से लोहे की धारदार छुरी जप्तम की गई जिसके बाद उसके खिलाफ मामले में आर्म्स एक्ट की धाराओ का इजाफा किया गया है। पुलिस ने बताया की बदमाश के खिलाफ थाना कमला नगर सहित अन्य थानो में आधा दर्जन से अधिक अपराधिक प्रकरण दर्ज है।

निष्पक्षता, ईमानदारी एवं संवेदनशीलता ही पुलिस अधिकारी की पहचान: डीजीपी मकवाणा

- डीजीपी ने प्रशिक्षु पुलिस उप अधीक्षकों से संवाद कर दी टिप्स

भोपाल,(निप्र.)। मध्य प्रदेश पुलिस अकादमी, भौंरी भोपाल में प्रशिक्षणरत 44वें एवं 45वें बैच के प्रशिक्षु उप पुलिस अधीक्षकों का संबोधन सत्र शुक्रवार को पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) कैलाश मकवाणा के मुख्य आतिथ्य में नवीन पुलिस मुख्यालय क्रॉफ्रेंस हॉल में आयोजित किया गया। इस अवसर पर कुल 49 प्रशिक्षु उप पुलिस अधीक्षक उपस्थित रहे।डीजीपी कैलाश मकवाणा ने चयनित अधिकारियों को बधाई देते हुए उन्हें ईमानदारी, निष्पक्षता एवं पूर्ण समर्पण के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने हेतु प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में साइबर अपराध एक बड़ी चुनौती के रूप में उभर रहा है, अत: अधिकारियों को अपनी व्यावसायिक दक्षताओं एवं तकनीकी कौशल को निरंतर अद्यतन करते रहना आवश्यक है। उन्होंने अधिकारियों को iGOT Kar-mayogi platform India पर उपलब्ध एआई, साइबर एवं अन्य व्यावसायिक कोर्सों का अधिकतम लाभ लेकर अपनी दक्षता निरंतर बढ़ाने के लिए प्रेरित किया।पुलिस महानिदेशक मकवाणा ने पुलिस सेवा को समाज सेवा का सशक्त माध्यम बताते हुए विशेष रूप से गरीब एवं जरूरतमंद वर्ग के प्रति संवेदनशीलता एवं सहानुभूतिपूर्ण व्यवहार अपनाने पर बल दिया, वहीं अपराधियों के विरुद्ध दृढ़ता एवं कठोरता से कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को कानून एवं प्रक्रियाओं का

कड़ाई से पालन करने, नए आपराधिक कानूनों की समुचित जानकारी रखने तथा भ्रष्टाचार एवं किसी भी प्रकार के दुराचार से दूर रहने की सलाह दी।डीजीपी ने कहा कि वर्तमान में मीडिया, सोशल मीडिया, न्यायालय एवं विभिन्न आयोगों द्वारा सतत निगरानी की जाती है, ऐसे में प्रत्येक कार्रवाई पूर्ण पारदर्शिता एवं नियमसम्मत होना आवश्यक है, क्योंकि एक छोटी सी त्रुटि भी संपूर्ण करियर को प्रभावित कर सकती है।डीजीपी मकवाणा ने अपने अनुभव साझा करते हुए निष्पक्ष विवेचना, धैर्यपूर्वक सुनवाई एवं तथ्यों के आधार पर निर्णय लेने के महत्व को रेखांकित किया तथा निर्देशित किया कि किसी भी निर्दोष व्यक्ति को अनावश्यक रूप से प्रकरण में न फंसाया जाए। उन्होंने कहा कि अच्छे कार्य करने वाले कर्मियों को उचित प्रोत्साहन एवं पुरस्कार मिलना चाहिए, जबकि त्रुटि करने वालों के विरुद्ध निष्पक्ष कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि फील्ड में पदस्थापना के दौरान विभिन्न माध्यमों से प्राप्त सूचनाओं का समुचित सत्यापन करते हुए त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई करना अत्यंत आवश्यक है, जिससे आमजन का विश्वास सुदृढ़ किया जा सके।डीजीपी ने कहा कि पुलिस की सकारात्मक छवि उसके निरंतर व्यवहार एवं कार्यशैली से निर्मित होती है, जिसे स्थापित करने में लंबा समय लगता है, जबकि एक छोटी सी चूक से वह प्रभावित हो सकती है। समापन पर उन्होंने अधिकारियों को प्रेरित करते हुए कहा कि यदि वे पूर्ण ईमानदारी, निष्ठा एवं संवेदनशीलता के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करेंगे, तो न केवल अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित होगा, बल्कि आमजन के साथ विश्वासपूर्ण संबंध भी विकसित होंगे तथा समाज में पुलिस के प्रति सकारात्मक छवि और अधिक सुदृढ़ होगी।अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एवं निदेशक पुलिस अकादमी मोहम्मद शाहिद अबसार ने बताया कि 44वें एवं 45वें बैच के प्रशिक्षु उप पुलिस अधीक्षकों का प्रशिक्षण चरणबद्ध रूप से संचालित किया जा रहा है, जिसमें प्रथम सेमेस्टर पूर्ण हो चुका है एवं द्वितीय सेमेस्टर प्रगति पर है। प्रशिक्षण के अंतर्गत कानून एवं व्यवस्था, अपराध अनुसंधान, नवीन आपराधिक कानून, पुलिस प्रक्रियाएं, आईटी एवं साइबर अपराध सहित विभिन्न विषयों पर विस्तृत प्रशिक्षण प्रदान किया गया है।

उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा गांव चलो अभियान में सीधे जुड़े किसानों से जनसंवाद का बना प्रभावी माध्यम

गांव चलो अभियान में विभिन्न गांवों में पहुंचे

मंदसौर (आरएनएस)। उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने मंदसौर में गांव चलो अभियान के अंतर्गत जिले के विभिन्न ग्रामों का भ्रमण कर ग्रामीणों एवं किसानों से आत्मीय संवाद किया। उन्होंने ग्राम मुंदडी, सिंदपन, ढाबला चौपाटी, दौरवाडा, बादपुर सहित कई गांवों में पहुंचे।उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा आम नागरिकों के कल्याण के लिए संचालित योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लोगों तक पहुंचाना ही सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि आगामी एक वर्ष में मल्हारगढ़ सूक्ष्म सिंचाई परियोजना के माध्यम से हर खेत तक सिंचाई का पानी पहुंचाया जाएगा। इससे किसानों को न केवल सिंचाई सुविधा मिलेगी बल्कि बिजली की समस्या से भी राहत मिलेगी। चंबल नदी का पानी सीधे किसानों के खेतों तक पहुंचाने की दिशा में तेजी से कार्य किया जा रहा है। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी के नदी जोड़ो अभियान के सपने को याद करते हुए कहा कि देशभर में नदियों को जोड़ने के कार्य तेजी से किए जा रहे हैं, जिससे सूखा और बाढ़ जैसी समस्याओं से स्थायी समाधान संभव होगा।उप मुख्यमंत्री ने बताया कि आयुष्मान योजना के अंतर्गत सभी वर्गों के लोगों के कार्ड बनाए गए हैं, जिसमें किसी प्रकार का भेदभाव नहीं किया गया है। किसान सम्मान निधि योजना का लाभ भी सभी पात्र किसानों को मिल रहा है। इसके साथ ही गरीब परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पक्के मकान उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिससे उन्हें सम्मानजनक जीवन मिल सके।

उपमुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने नागरिकों से स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग पर जोर देते हुए कहा कि देश की मिट्टी से जुड़े उत्पादों को अपनाना चाहिए। साथ ही ग्रामीणों से गांव की स्वच्छता बनाए रखने, सामाजिक जिम्मेदारी निभाने और बच्चों को अच्छी शिक्षा दिलाने का आह्वान किया, जिससे वे भविष्य में देश का नाम रोशन कर सकें। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सड़कों का व्यापक जाल बिछाया गया है तथा सांदीपनी विद्यालयों में शिक्षा की बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। सरकार द्वारा शिक्षा, स्वास्थ्य और सिंचाई के क्षेत्र में निरंतर कार्य किए जा रहे हैं और आगे भी विकास की यह गति जारी रहेगी।कार्यक्रम में जिला योजना समिति सदस्य राजेश दीक्षित सहित अन्य जनप्रतिनिधि, जिला एवं विकासखंड स्तरीय अधिकारी, बड़ी संख्या में ग्रामीणजन एवं मीडिया प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

मैहर में खड़े टैक्टर ट्राली को ट्रेलर ने मारी टक्कर, 30 लोग घायल

मैहर(ए.)। मध्य प्रदेश के मैहर के एनएच-30 रिगरा ब्रिज के पास एक ट्रेलर में खड़े टैक्टर ट्राली को मार दी, जिसमें 30 लोग घायल होगए जबकि छह गंभीर हैं। इन सभी को इलाज के भेजा गया है। यह हादसा नादन थाना क्षेत्र का है।आज भोर में मैहर के एनएच-30 रिगरा ब्रिज के पास डीजल खत्म होने के कारण एक ट्रैक्टर-ट्रॉली खड़ी थी, जिसे तेज रफ्तार ट्रेलर ने पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में बरहों कार्यक्रम से लौट रहे बेलदरा निवासी 30 लोग घायल हो गए।

सूचना पर डायल 112 और हाइवे पेट्रोलिंग की टीम मौके पर पहुंची और घायलों को मैहर और अमरपाटन अस्पताल पहुँचाया। इसमें से 6 गंभीर घायलों को सतना जिला अस्पताल रेफर किया गया है। हादसे के बाद हाइवे पर लंबा जाम लग गया, जिसे पुलिस ने खुलवा दिया। पुलिस ने ट्रेलर को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।

महाकाल मंदिर पहुंचीं अभिनेत्री सारा अर्जुन, मां के जन्मदिन पर लिया आशीर्वाद, भस्म आरती में हुई शामिल

उज्जैन, (ए.)। मध्य प्रदेश के उज्जैन स्थित विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में शनिवार तड़के फिल्म 'धुरंधर' की अभिनेत्री सारा अर्जुन अपने परिवार के साथ दर्शन करने पहुंचीं। इस अवसर पर उनके पिता राज अर्जुन और मां सान्या भी मौजूद रहीं। अभिनेत्री सारा ने सुबह करीब 4 बजे होने वाली प्रसिद्ध भस्म आरती में भाग लिया और करीब दो घंटे तक पूरे श्रद्धा भाव के साथ पूजा-अर्चना की। उन्होंने नंदी हॉल से भगवान महाकाल के दर्शन कर जय महाकाल के जयकारे लगाए।सारा अर्जुन पहली बार महाकाल मंदिर पहुंचीं। उन्होंने बताया कि वे अपनी मां के जन्मदिन के अवसर पर भगवान महाकाल का आशीर्वाद लेने आई हैं। दर्शन के दौरान उन्होंने सभी के अच्छे स्वास्थ्य और सुख-समृद्धि की कामना की। भस्म आरती के बाद सारा ने नंदी महाराज के कान में अपनी मनोकामना कही। इसके बाद गर्भगृह की देहरी से जल अर्पित कर भगवान महाकाल का आशीर्वाद लिया। मंदिर प्रबंध समिति द्वारा उनका स्वागत भी किया गया।

ट्रक, सड़क किनारे खड़े ऑटो पर पलटा, दूल्हा-दुल्हन समेत चार की मौत

शिवपुरी (ए) सिरसौद थाना क्षेत्र के टोंगरा रोड स्थित पेट्रोल पंप के पास मुर्गी दाने से भरा ट्रक सड़क किनारे खड़े ऑटो पर पलट गया। हादसे में दूल्हा-दुल्हन समेत चार लोगों की मौत हो गई। हादसे का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें ट्रक पलटते हुए दिख रहा है।जानकारी के अनुसार, तेंदुआ थाना क्षेत्र के राजगढ़ गांव निवासी वीरेंद्र शाक्य (25) की शादी शुक्रवार को शिवपुरी की संजय कॉलोनी निवासी राजेश्वरी शाक्य से हुई थी। दोनों ने संजय कॉलोनी के एक मंदिर में परिवार की मौजूदगी में विवाह किया था।शनिवार को शादी के बाद दूल्हा-दुल्हन, दूल्हे की मां अन्वेश शाक्य (50), भाभी राजो शाक्य (22), बहन भूरिया शाक्य (19) और ड्राइवर के साथ ऑटो से राजगढ़ गांव के लिए रवाना हुए थे। टोंगरा रोड स्थित पेट्रोल पंप के पास ड्राइवर ने ऑटो को खड़ा किया था। इस दौरान ड्राइवर और दूल्हे की बहन पास की दुकान पर चले गए थे। तभी दोपहर करीब 12 बजे मुर्गी दाने से भरा ट्रक वहां पहुंचा और अनियंत्रित होकर ऑटो पर पलट गया। ऑटो में बैठे दूल्हा-दुल्हन, दूल्हे की मां और भाभी ट्रक के नीचे दब गए। दबे हुए लोगों को निकालने के लिए जेसीबी की मदद लेनी पड़ी। करीब आधे घंटे बाद सभी को निकालकर जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने चारों को मृत घोषित कर दिया।

कागजों में सिमटा बचपनः पन्ना में बाल श्रम पर बेअसर कानून, जिम्मेदार बेपरवाह

पन्ना,(आरएनएस)।बाल श्रम पर रोक लगाने के लिए देश में सख्त कानून और कई योजनाएं लागू हैं, लेकिन मध्य प्रदेश के पन्ना जिले में इनका असर जमीनी स्तर पर नजर नहीं आ रहा। हालात यह हैं कि गरीब परिवारों के बच्चों का भविष्य कागजों तक सीमित होकर रह गया है, जबकि श्रम विभाग की सक्रियता सवालों के घेरे में है।जिले में जगह-जगह नाबालिग बच्चे मजदूरी करते दिखाई दे रहे हैं। शासकीय और निजी निर्माण कार्यों में फावड़ा चलाते, होटलों में बर्तन धोते, झाड़ू लगाते या कबाड़ बीनते नौनिहाल आम दृश्य बन चुके हैं।

बिरला नगर अस्पताल को मिली नई सौगात

ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने किया सी-आर्म मशीन का शुभारंभ

ग्वालियर (आरएनएस)। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने उप नगर ग्वालियर की स्वास्थ्य सुविधाओं को और अधिक बेहतर और सशक्त बनाते हुए शनिवार को ग्वालियर स्थित बिरला नगर सिविल अस्पताल एवं प्रसूति गृह में अत्याधुनिक सी-आर्म मशीन का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि तकनीक के इस विस्तार से अब क्षेत्र के नागरिकों को जटिल सर्जरी और उपचार के लिए भटकना नहीं पड़ेगा। इस दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सचिन श्रीवास्तव, सिविल अस्पताल बिरला नगर के अधीक्षक डॉ. जे.के. मसोरिया, डॉ. ए.के खरे, डॉ. हरेन्द्र सिंह तोमर, डॉ. वरुण पाठक सहित चिकित्सक मौजूद रहे। मंत्री श्री तोमर ने कहा कि प्रत्येक नागरिक को सुलभ, आधुनिक एवं वैश्विक मानकों

के अनुरूप चिकित्सा सेवाएँ उपलब्ध कराना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। सी-आर्म मशीन एक मोबाइल मेडिकल इमेजिंग डिवाइस है जो सर्जरी के दौरान रियल-टाइम एक्स-रे (फ्लोरोस्कोपी) छवियां प्रदान करती है। इसका मुख्य उपयोग ऑर्थोपेडिक (हड्डी), कार्डियोलॉजी, और यूरोलॉजी सर्जरी में शरीर के आंतरिक अंगों को देखने, हड्डियों को जोड़ने, स्टेंट लगाने, या कैथेटर को सही स्थान पर पहुंचाने के लिए किया जाता है।

मंत्री श्री तोमर ने बिरला नगर अस्पताल में उपचाराधीन रोगियों से मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। साथ ही अस्पताल परिसर की व्यवस्थाओं और साफ-सफाई का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में निरंतर सुधार और रोगियों से जुड़ी सुविधाओं को और बेहतर करने के निर्देश दिए।

पहला सफल हुआ आपरेशन

सिविल अस्पताल एवं प्रसूति गृह बिरला नगर में ऊर्जा मंत्री श्री तोमर द्वारा सी-आर्म मशीन का लोकार्पण किए जाने के बाद विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम द्वारा अस्थि रोग से पीड़ित पहले मरीज का सफल आपरेशन किया गया।

व्यापार समाचार

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 9.063 अरब डॉलर बढ़कर 697.121 अरब डॉलर रहा

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 3 अप्रैल को समाप्त हुए सप्ताह में 9.063 अरब डॉलर बढ़कर 697.121 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। यह जानकारी शुक्रवार को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा जारी किए गए डेटा में दी गई। इससे पहले के हफ्ते में विदेशी मुद्रा भंडार में 10.288 अरब डॉलर की गिरावट देखी गई थी। इसकी वजह एफसीए की वैल्यू में गिरावट आना था।आरबीआई के डेटा के मुताबिक, 3 अप्रैल को समाप्त हुए हफ्ते में विदेशी मुद्रा भंडार के अहम घटक गोल्ड रिजर्व की वैल्यू 7.221 अरब डॉलर बढ़कर 120.742 अरब डॉलर हो गई है।विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक फॉरेन करेंसी एसेट्स (एफसीए) की वैल्यू 1.784 अरब डॉलर बढ़कर 552.856 अरब डॉलर हो गई। एफसीए में डॉलर के साथ दुनिया की कई अहम मुद्राएं जैसे येन, यूरो और पाउंड होते हैं, जिनकी वैल्यू को डॉलर में दिखाया जाता है।आरबीआई के अनुसार, 3 अप्रैल को समाप्त हुए हफ्ते में एसडीआर की वैल्यू 5.8 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.707 अरब डॉलर हो गई है। वहीं, भारत की आईएमएफ (अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष) में रिजर्व पॉजिशन में कोई बदलाव नहीं हुआ है और यह 4.816 अरब डॉलर पर यथावत रही है।किसी भी देश के लिए उसका विदेशी मुद्रा भंडार काफी महत्वपूर्ण होता है, और इससे उस देश की आर्थिक स्थिति का पता लगता है। इससे अलावा, यह मुद्रा की विनिमय दर को स्थिर रखने में बड़ी भूमिका निभाता है।उदाहरण के लिए अगर किसी स्थिति में डॉलर के मुकाबले रुपए पर अधिक दबाव देखने को मिलता है और उसकी वैल्यू कम होती है तो केंद्रीय बैंक विदेशी मुद्रा भंडार का इस्तेमाल कर डॉलर के मुकाबले रुपए को गिरने से रोक सकता है और विनिमय दर को स्थिर रखता है।बढ़ता हुआ विदेशी मुद्रा भंडार यह भी दिखाता है कि देश में डॉलर की आवक बड़ी मात्रा में बनी हुई है और यह देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाता है। साथ ही इसके बढ़ने से देश के लिए विदेशों में व्यापार करना भी आसान हो जाता है।

4.05 लाख कनेक्शन पीएनजी के, एलपीजी नहीं, पेट्रोलियम मंत्रालय की सफाई

नई दिल्ली (आरएनएस)। पेट्रोलियम मंत्रालय ने शुक्रवार को स्पष्ट किया कि हालिया प्रेस ब्रीफिंग में अनजाने में यह कहा गया था कि पिछले पांच हफ्तों में 4.05 लाख नए एलपीजी कनेक्शन गैसिफाई किए गए हैं, जबकि यह आंकड़ा पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) कनेक्शनों से संबंधित है। मंत्रालय ने कहा, यह स्पष्ट किया जाता है कि यह संख्या एलपीजी नहीं, बल्कि पीएनजी कनेक्शनों की है। इस त्रुटि के लिए खेद है।मंत्रालय के अनुसार, अब तक 4.05 लाख पीएनजी कनेक्शन सक्रिय किए जा चुके हैं, जबकि करीब 4.41 लाख नए उपभोक्ताओं ने कनेक्शन के लिए पंजीकरण भी कराया है। इस बीच, वैश्विक राजनीतिक परिस्थितियों के बावजूद घरेलू एलपीजी सिलेंडर की आपूर्ति सामान्य बनी हुई है और किसी भी डिस्ट्रीब्यूटर पर कमी (ड्राई-आउट) की स्थिति नहीं है।सरकार ने उपभोक्ताओं को पीएनजी और इलेक्ट्रिक कुकटॉप जैसे वैकल्पिक ईंधनों के उपयोग के लिए प्रोत्साहित किया है और मौजूदा परिस्थितियों में ऊर्जा बचत की अपील की है।मंत्रालय ने लोगों से पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की घबराहट में खरीदारी से बचने और केवल आधिकारिक स्रोतों पर भरोसा करने की सलाह दी है। एलपीजी उपभोक्ताओं से डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए बुकिंग करने और डिस्ट्रीब्यूटर के पास जाने से बचने का अनुरोध किया गया है।ऑनलाइन एलपीजी बुकिंग अब करीब 98 प्रतिशत तक पहुंच गई है, जबकि डिलीवरी ऑथेंटिकेशन कोड आधारित डिलीवरी लगभग 92 प्रतिशत हो गई है, जिससे वितरण स्तर पर गड़बड़ी रोकने में मदद मिल रही है।

GOOGLE PAY का बड़ा धमाका, अब बिना बैंक खाते के भी कर सकेंगे PI पेमेंट, आ गया नया फीचर

नई दिल्ली(आरएनएस)। डिजिटल पेमेंट की दुनिया में एक बहुत बड़ी क्रांति आ गई है। अब आपको यूपीआई पेमेंट करने के लिए बैंक खाते की जरूरत नहीं पड़ेगी। दिग्गज टेक कंपनी Google Pay ने 'UPI Circle' के तहत एक बेहद ही शानदार 'Pocket Money' फीचर लॉन्च किया है। इस फीचर की मदद से यूजर्स अपने परिवार के सदस्यों, बच्चों या दोस्तों को अपने बैंक अकाउंट से लिंक करके डिजिटल पेमेंट करने की आजादी दे सकते हैं। सबसे खास बात यह है कि पैसों और खर्च का पूरा कंट्रोल प्राइमरी यूजर यानी आपके हाथ में ही रहेगा। यह फीचर खासकर बच्चों और उन लोगों के लिए बेहद फायदेमंद साबित होने वाला है, जो अभी तक बैंकिंग सिस्टम से नहीं जुड़ पाए हैं।

क्या है 'UPI Circle' और 'Pocket Money' फीचर?

गूगल पे का यह नया फीचर मुख्य रूप से उन लोगों के लिए वरदान है, जिनका अपना कोई बैंक खाता नहीं है। 'UPI Circle' के तहत एक प्राइमरी यूजर (जिसका बैंक खाता है) अपने ऐप से किसी भी सेकेंडरी यूजर को जोड़ सकता है। यह सेकेंडरी यूजर आपके घर का कोई सदस्य, दोस्त या कर्मचारी हो सकता है। लिंक होने के बाद, सेकेंडरी यूजर के पास खुद का बैंक अकाउंट न होने के बावजूद वह बड़ी आसानी से कहीं भी यूपीआई पेमेंट कर सकेगा। हालांकि, इस दौरान किया गया पेमेंट

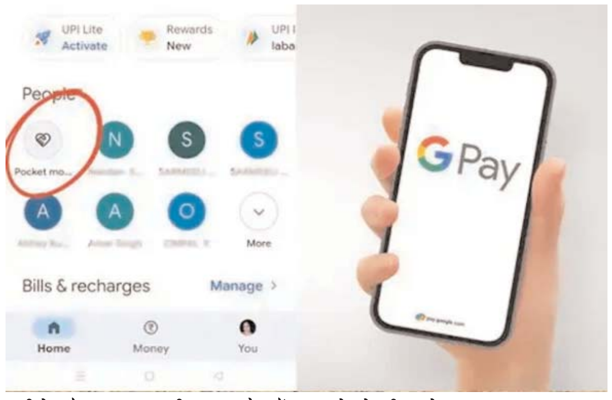

सीधे तौर पर प्राइमरी यूजर के बैंक खाते से ही कटेगा।

खर्च की लगाम रहेगी पूरी तरह आपके ही हाथ में

इस फीचर को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि धोखाधड़ी या फिजूलखर्ची की कोई गुंजाइश न रहे। इसमें पूरा कंट्रोल प्राइमरी यूजर के पास सुरक्षित रहता है। आप खुद तय कर सकते हैं कि सेकेंडरी यूजर अधिकतम कितने पैसे खर्च कर सकता है। आप चाहें तो यह सेटिंग कर सकते हैं कि सेकेंडरी यूजर द्वारा किए जाने वाले हर पेमेंट को आपकी मंजूरी (Approval) के बाद ही पास किया जाए। अगर आप सेकेंडरी यूजर को पूरी छूट देते हैं, तो भी सुरक्षा के लिहाज से एक महीने में अधिकतम 15,000 रुपये तक की खर्च सीमा (Limit) अपने आप सेट हो जाती है। बच्चों को पॉकेट मनी देने या कर्मचारियों के छोटे खर्चों को मैनेज करने के लिए यह फीचर एकदम परफेक्ट है।

कैसे एक्टिवेट करें यह शानदार फीचर?

इस नए फीचर का इस्तेमाल करना बेहद आसान है। इसके लिए सबसे पहले प्राइमरी यूजर का Google Pay पर यूपीआई अकाउंट एक्टिव होना चाहिए। इसके बाद ऐप खोलकर 'UPI Circle' विकल्प में जाएं और सेकेंडरी यूजर को जोड़ें। ध्यान रहे कि जिसे आप जोड़ रहे हैं, उसका मोबाइल नंबर आपकी फोन बुक में सेव होना चाहिए और उसके मोबाइल में भी Google Pay ऐप इंस्टॉल होना जरूरी है। सेटअप के दौरान ऐप में रिश्ते की जानकारी और कुछ जरूरी डिटेल्स भरने के बाद अपना यूपीआई पिन (UPI PIN) डालकर इनवाइट भेजना होगा। जैसे ही सामने वाला व्यक्ति आपका इनवाइट स्वीकार करेगा, उसका अकाउंट पेमेंट के लिए एक्टिवेट हो जाएगा।

मध्यपूर्व में तनाव कम होने से भारतीय शेयर बाजार में तेजी, निवेशकों ने एक हफ्ते में 29 लाख करोड़ कमाए

मुंबई (आरएनएस)। मध्यपूर्व में तनाव कम होने से भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार के कारोबारी सत्र में बड़ी तेजी के साथ बंद हुआ। दिन के अंत में सेंसेक्स 918.60 अंक या 1.20 प्रतिशत की तेजी के साथ 77,550.25 और निफ्टी 275.50 अंक या 1.10 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,050.60 पर था।

बाजार में तेजी का नेतृत्व ऑटो स्टॉक्स ने किया। इस कारण सूचकांक में निफ्टी ऑटो 2.85 प्रतिशत की तेजी के साथ टॉप गेनर था। निफ्टी रियल्टी 2.08 प्रतिशत, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज 2.06 प्रतिशत, निफ्टी पीएसयू बैंक 2.01 प्रतिशत, निफ्टी प्राइवेट बैंक 1.98 प्रतिशत, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 1.74 प्रतिशत और निफ्टी कंजप्शन 1.55 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुआ।

निवेशकों ने इस हफ्ते 29 लाख करोड़ कमाए

बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का कुल मार्केट कैपिटलाइजेशन आज करीब 6.5 लाख करोड़ रुपये बढ़कर 451.22 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया। वहीं इस पूरे हफ्ते निवेशकों की संपत्ति में करीब 28.85 लाख करोड़ रुपये का इजाफा हुआ। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों की की कुल मार्केट वैल्यू पिछले हफ्ते के अंत में 422.37 करोड़ रुपये रही थी।सूचकांकों में केवल निफ्टी आईटी ही 1.91 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ। लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में तेजी देखी गई।

सोना-चांदी में जोरदार उछाल, दाम रिकॉर्ड स्तर के करीब

- घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजार में मजबूती के बीच निवेशकों की बढ़ी दिलचस्पी

नई दिल्ली (ए.)। देश में सोने और चांदी की कीमतों में एक बार फिर जोरदार तेजी देखने को मिल रही है। शनिवार 11 अप्रैल को दिल्ली सराफा बाजार में सोना 1.52 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के पार पहुंच गया, जबकि चांदी 2.60 लाख रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार करती दिखी।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी दोनों धातुओं में मजबूती बनी हुई है, जिससे घरेलू बाजार को समर्थन मिल रहा है। देश के प्रमुख शहरों में सोने के दामों में हल्का अंतर देखा गया है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,52,510 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,39,810 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज किया गया। मुंबई और कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,52,360 रुपये के आसपास बना हुआ है, जबकि चेन्नई में यह बढ़कर 1,54,100 रुपये प्रति 10 ग्राम तक पहुंच गया है। चांदी की बात करें तो दिल्ली में इसकी कीमत 2,60,100 रुपये प्रति किलोग्राम दर्ज की गई। इससे पहले इसमें एक दिन में करीब 1.6 फीसदी की बढ़त देखी गई थी। अंतरराष्ट्रीय बाजार में स्पॉट गोल्ड लगभग 4,777 डॉलर प्रति औंस और चांदी 75 डॉलर प्रति औंस के आसपास बनी हुई है। मार्केट एक्सपर्ट्स के अनुसार एमसीएक्स के वीकली चार्ट पर सोना और चांदी दोनों लगातार मजबूती दिखा रहे हैं। दोनों धातुएं 30-वीक मूविंग एवरेज से ऊपर बनी हुई हैं, जो मजबूत अपट्रेंड का संकेत माना जाता है।

वैश्विक घटनाओं के बीच बाजार मे रहा भारी उतार-चढ़ाव, अंत में मजबूत रिकवरी

– कच्चे तेल की कीमतें और वैश्विक बाजारों के संकेतों ने निवेशकों की धारणा को लगातार प्रभावित किया

मुंबई (ए.)। इस सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में जबरदस्त उतार-चढ़ाव देखने को मिला। पूरे हफ्ते बाजार की दिशा घरेलू कारकों से ज्यादा अंतरराष्ट्रीय घटनाओं और भू-राजनीतिक तनावों से तय होती रही। पश्चिम एशिया में संघर्ष बढ़ने की आशंका, कच्चे तेल की कीमतों में तेज बदलाव और वैश्विक बाजारों के संकेतों ने निवेशकों की धारणा को लगातार प्रभावित किया। सप्ताह की शुरुआत गिरावट के साथ हुई, लेकिन बीच-बीच में आई तेज रिकवरी ने बाजार को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। आरबीआई की मौद्रिक नीति, अंतरराष्ट्रीय सीजफायर की खबरें और कच्चे तेल में नरमी ने निवेशकों का भरोसा मजबूत किया। कुल मिलाकर यह सप्ताह हाई वोलैटिलिटी और तेज सेंटिमेंट स्विंग्स का रहा। सप्ताह की शुरुआत में वैश्विक तनाव के कारण बाजार पर दबाव देखा गया। पश्चिम एशिया में युद्ध के विस्तार की आशंका और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों ने निवेशकों को सतर्क कर दिया।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है, सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

समाज कल्याण की जिम्मेदारी

बाईबैक ऐसा चलन है, जिससे कंपनियां बाजार में बिना अपना प्रदर्शन सुधारे अपने मूल्य में बढ़ोतरी कर लेती हैं। ऐसा वे शेयरधारकों से अपनी ही कंपनी के शेयरों को खरीद कर करती हैं। इससे कंपनी के शेयरों के भाव बढ़ जाते हैं।कॉरपोरेट कानून (संशोधन) विधेयक- 2026 को संयुक्त संसदीय समिति को भेजने पर बनी सहमति स्वागतयोग्य है। आशा है, समिति बिल में मौजूद कुछ समस्याओं को दूर करने में सफल रहेगी। ऐसी ही एक समस्या शेयर बाईबैक का प्रावधान है। नए बिल के तहत कुछ श्रेणी की कंपनियां साल में दो बार बाईबैक कर सकेंगी। फिलहाल, उन्हें एक बार ऐसा करने की इजाजत मिलती है। बाईबैक ऐसा चलन है, जिससे कंपनियां बाजार में बिना अपना प्रदर्शन सुधारे अपने मूल्य में बढ़ोतरी कर लेती हैं। ऐसा वे शेयरधारकों से अपनी ही कंपनी के शेयरों को खरीद कर करती हैं। इससे शेयरों के भाव बढ़ जाते हैं। नतीजतन कंपनी की सकल कीमत बढ़ जाती है। फिर शेयरों के बढ़ते भाव को देख कर बहुत से नए निवेशक संबंधित कंपनी के शेयरों में पैसा लगाते हैं।कुल मिलाकर यह एक तरह का स्टॉक हेरफेर है, जिससे कंपनियां अपना मूल्य बढ़ाती हैं। अर्थव्यवस्था के अधिक से अधिक होते गए वित्तीयकरण के साथ ऐसे चलन बढ़ते चले गए हैं। अब आम समझ बनी है कि वास्तविक अर्थव्यवस्था के हित में ऐसी प्रवृत्तियों को नियंत्रित करने की जरूरत है। मगर भारत सरकार अपने देश की कंपनियों के लिए बाईबैक के अवसर दोगुना करने जा रही है। संसदीय समिति को इस पर अवश्य गंभीरता से विचार करना चाहिए। सरकार ने कंपनी ऐक्ट 2013 और एलएलपी ऐक्ट 2008 में संशोधन के लिए जो नया बिल पेश किया है, उसमें एक प्रावधान कंपनियों पर से कॉरपोरेट सोशल रेस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) का बोझ घटाने से संबंधित है।उसके तहत 10 करोड़ रुपये सालाना मुनाफा कमाने वाली कंपनी पर ही सीएसआर का प्रावधान लागू होगा। फिलहाल 1000 करोड़ रुपये टर्नओवर या कुल मूल्य 500 करोड़ रुपये अथवा पांच करोड़ रुपये सालाना मुनाफा वाली कंपनी को मुनाफे का दो फीसदी सीएसआर पर खर्च करना होता है। सीएसआर आरंभ से विवादास्पद प्रावधान रहा है। इसलिए उचित होता कि सरकार इस कॉन्सेप्ट पर ही पुनर्विचार करती। संसदीय समिति को सोचना चाहिए कि क्या यह उचित नहीं होगा कि समाज कल्याण की जिम्मेदारी कंपनी पर डालने के बजाय निर्वाचित सरकार वो रकम टैक्स के रूप में लेकर जन कल्याण करे?

जस्टिस वर्मा का इस्तीफा सवाल खड़े करने वाला

– सनत जैन

जस्टिस यशवंत वर्मा ने कैश कांड विवाद और जांच के बीच ही अपने पद से इस्तीफा दे दिया। दरअसल मार्च 2025 में उनके दिल्ली आवास में आग लगने और जले हुए नोटों के बंडल मिलने के बाद से ही यह मामला सुर्खियां बटोर रहा है। हाल के घटनाक्रम में जस्टिस यशवंत वर्मा का राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू को इस्तीफा न्यायपालिका और राजनीति के जटिल संबंधों पर एक बार फिर देश मे नई बहस को जन्म दे दिया है। खास बात यह है कि उनके खिलाफ महाभियोग का प्रस्ताव संसद में लंबित है, इसी बीच उनका इस्तीफा सामने आ गया है। यह स्थिति कई संवैधानिक और नैतिक सवाल खड़े कर रही है। क्या यह इस्तीफा महाभियोग की प्रक्रिया से बचने के लिए जस्टिस यशवंत वर्मा ने दिया है? यशवंत वर्मा ने अपने इस्तीफा में कोई कारण नहीं बताया है। उनका कहना है यह उनका व्यक्तिगत निर्णय है। भारतीय संविधान में न्यायाधीशों को हटाने की प्रक्रिया बेहद कठोर और दुर्लभ है।

महाभियोग के माध्यम से हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के जजों को हटाने की गंभीर संसदीय प्रक्रिया है। जिसमें जज के खिलाफ आरोपों की जांच और दोनों सदनों में विशेष बहुमत की आवश्यकता होती है। ऐसे में यदि कोई न्यायाधीश महाभियोग से पहले ही इस्तीफा दे देता है, तो यह प्रक्रिया स्वत: समाप्त हो जाती है। यशवंत वर्मा के इस्तीफे से उनकी पारदर्शिता और जवाबदेही पर सवाल उठने लगे हैं। उनकी स्थिति के बाद अब आरोपों की सत्यता तथा उनके घर से जो जले हुए नोट बरामद हुए थे। उसकी वास्तविकता सार्वजनिक रूप से कभी सामने नहीं आ पायेगी। जब राज्यसभा में महाभियोग का प्रस्ताव पेश हुआ था उस समय के उप राष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति को रातों-रात इस्तीफा देना पड़ा था। सरकार को शक था। इस मामले में पूर्व उपराष्ट्रपति जयदीप धनखड़ ने बिना सरकार को बताए, जो कार्रवाई की उससे सरकार नाराज हो गई थी। जो उनके इस्तीफा का कारण बनी। जस्टिस वर्मा का इस्तीफा भी उसी संदर्भ से जोड़कर देखा जा रहा है। हालांकि उनके मामले में परिस्थितियाँ और संवैधानिक स्थिति भिन्न थीं। लेकिन जिस तरीके से उन्होंने अपने स्वास्थ्य कारणों का उल्लेख करते हुए उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा दिया था, वह सत्य नहीं था। जस्टिस वर्मा के इस्तीफा के बाद यह साबित हो गया है। उपराष्ट्रपति का इस्तीफा सरकार के दबाव में हुआ था। अब इस्तीफे की बातें छन-छन कर सामने आ रही हैं। उच्च न्यायालय के न्यायाधीश का पद न्यायिक स्वतंत्रता का प्रतीक होता है। दोनों की तुलना एक दूसरे से करना उचित नहीं है। फिर भी समय और परिस्थितियों के कारण राजनीतिक अटकलें लगना स्वाभाविक है।

यह भी उल्लेखनीय है, इस तरह का घटनाक्रम लोकतंत्र की संस्थाओं और उनमें बैठे हुए लोगों के प्रति आम जनता के विश्वास को प्रभावित कर सकता है। इस तरह की घटना से जनता को संदेश जाता है, उच्च पदों पर बैठे लोग अपनी जवाबदेही से बच सकते हैँ। जस्टिस वर्मा का इस्तीफा लोकतंत्र के लिए एक चिंताजनक संकेत है। आवश्यक हो जाता है, ऐसी स्थितियों में स्पष्ट नियम और ऐसी प्रक्रिया विकसित की जाए, जिसमे इस्तीफे के बाद भी आरोपों की निष्पक्ष जांच हो सके। जांच में यदि आप सत्य पाए जाएं तो सजा के प्रावधान भी होने चाहिए। यह मामला केवल एक व्यक्ति का नहीं बल्कि संस्थागत जवाबदेही का है। न्यायपालिका की गरिमा और संसद की सर्वोच्चता दोनों को संतुलित रखने के लिए संसद को इस तरह के नियम कानून बनाने होंगे, जो न्यायपालिका और जजों की न्याय को लेकर पारदर्शिता, उत्तरदायित्व, फैसलों की समीक्षा होने तथा गड़बड़ी होने पर कार्यवाही की जा सके, तभी जनता का न्याय पालिका पर विश्वास मजबूत होगा। जिस तरह से जजों के ऊपर तरह-तरह के आरोप लग रहे हैं, न्याय पालिका की साख को बचाने के लिए निष्पक्ष जांच और दोषी पाए जाने पर दंडात्मक कार्यवाही होनी ही चाहिए। तभी लोकतंत्र की नींव मजबूत होगी। न्याय पालिका के कामकाज में सुधार होगा। न्याय पालिका की साख बढ़ेगी। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में जिस तरह से न्याय पालिका के ऊपर आरोप लग रहे हैं, उसके लिए स्वतंत्र जांच जरूरी है। यह जाँच संसद भी कर सकती है। सुप्रीम कोर्ट भी स्वतंत्र एजेंसी से जांच कराकर न्याय पालिका की साख को बढ़ाने का काम करे। आम आदमी को वर्तमान परिदृष्य को देखते हुए यही अपेक्षा है।

(चिंतन-मनन) कर्मयोग के बिना संन्यास नहीं

आज की चिंतनधारा में संन्यास और कर्मयोग को अलग-अलग करके देखा जा रहा है। महर्षि अरविंद ने अपने साधना-प्रम में संन्यास को कोई स्थान नहीं दिया। उन्होंने कर्मयोग का ही विधान किया। इसी प्रकार कई विचारधाराएं तो संन्यास-विरोधी भी हो गई हैं। किंतु मैं संन्यास और कर्मयोग में कोई विरोध नहीं देखता। मेरे अभिमत से कर्मयोग से साधना का प्रारंभ होता है और संन्यास उसकी चरम अवस्था है। देहमुक्त अवस्था को प्राप्त करने के लिए संन्यास की स्वीकृति अनिवार्य है और संन्यास तक पहुंचने के लिए कर्मयोग की साधना से गुजरना अनिवार्य है। कर्मयोग के बिना संन्यास नहीं और संन्यास के बिना मुक्ति नहीं। फिर दोनों में विरोध कैसे हो सकता है। संन्यास से मेरा मतलब किसी वेशभूषा से नहीं है। वह तो मात्र संन्यास की परिचायक है। उससे न केवल औरों को संन्यास का परिचय मिलता है, स्वयं साधक को भी अपनी साधना का भान रहता है। भगवान महावीर ने श्रमण-वेशधारण के कारणों पर प्रकाश डालते हुए कहा है कि संयम यात्रा के वहन के लिए तथा मुनि-स्वरूप के ग्रहण के लिए लोक में साधु-वेश का प्रयोजन है। इससे साधक को अपनी साधना का प्रतिपल ध्यान रहता है।

सोशल मीडिया : जब मानव ही उत्पाद बन गया

दीपक द्विवेदी

कभी कहा जाता था मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। उसका जीवन प्रकृति की लय पर चलता था। वह पंचतत्वों पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश से बना था और इन्हीं में लौट जाने की विनम्रता उसके भीतर थी। उसके सुख-दु:ख ऋतुओं की तरह आते-जाते थे, और उसके संबंध नदी के जल की तरह बहते थे, स्वाभाविक, जीवंत और स्पर्श से भरे हुए। उस समय मनुष्य का अस्तित्व उसके रिश्तों से परिभाषित होता था, न कि उसकी प्रोफाइल से। वह अपने पिता की आवाज़ में, माँ के स्पर्श में, मित्र के कंधे पर रखे हाथ में और गाँव की चौपाल में अपनी पहचान पाता था। परन्तु धीरे-धीरे समय बदला। औद्योगिक क्रांति आई, पूँजीवाद आया, और मनुष्य का मूल्य उसके श्रम से मापा जाने लगा। वह सामाजिक प्राणी से अधिक आर्थिक प्राणी बन गया। उसका समय बिकने लगा, उसकी मेहनत बिकने लगी, और उसके श्रम से लाभ कमाया जाने लगा। आज डिजिटल युग में, परिवर्तन और भी गहरा हो गया है। अब केवल मनुष्य का श्रम ही नहीं, बल्कि उसका स्वयं उसकी पहचान, उसकी भावनाएँ, उसके रिश्ते, उसकी कहानियाँ भी बाजार का हिस्सा बन चुके हैं।आज का मनुष्य सुबह उठते ही अपने फोन को देखता है। वह सोचता है कि वह दुनिया से जुड़ रहा है। परन्तु सच यह है कि उसी क्षण से उसका खनन शुरू हो चुका होता है। हर डिजिटल कंपनी उसकी हर गतिविधि पर नज़र रख रही है , उसकी तस्वीर , उसकी उम्र , उसका पहनावा , उसकी मुस्कान और उसकी उदासी , उसके मित्र , उसकी बातचीत , उसकी पसंद और उसकी आदतें आदि यह सब केवल जानकारी नहीं है, यह डिजिटल खदान से निकाला गया कच्चा माल है।

आस्था का बाज़ारीकरण

वीआईपी दर्शन और आम श्रद्धालु की उपेक्षा पर एक गंभीर सवाल

डॉ. सत्यवान सौरभ

भारत जैसे देश में, जहाँ धर्म और आस्था केवल व्यक्तिगत विश्वास का विषय नहीं बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन का अभिन्न हिस्सा हैं, वहाँ मंदिरों और तीर्थ स्थलों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। ये स्थान सदियों से समानता, शांति, और आध्यात्मिक संतुलन के प्रतीक माने जाते रहे हैं। भगवान के दरबार में सब बराबर हैं —यह वाक्य केवल एक आदर्श नहीं, बल्कि भारतीय समाज की गहरी मान्यता रहा है। लेकिन बीते कुछ वर्षों में इस मान्यता पर प्रश्नचिह्न लगते दिखाई दे रहे हैं।

देश के कई प्रमुख मंदिरों और तीर्थ स्थलों पर वीआईपी दर्शन, विशेष पूजन-अभिषेक और आरती के नाम पर भारी शुल्क वसूले जा रहे हैं। इन सेवाओं के बदले श्रद्धालुओं को लंबी कतारों से मुक्ति, कम समय में दर्शन, और अधिक सुविधाजनक अनुभव दिया जाता है। पहली नजर में यह व्यवस्था एक विकल्प के रूप में दिखाई देती है, लेकिन जब इसका असर आम श्रद्धालुओं के अनुभव पर पड़ता है, तब यह एक गंभीर सामाजिक समस्या बन जाती है।

आज स्थिति यह है कि एक ओर वे लोग हैं जो अतिरिक्त पैसे देकर कुछ ही मिनटों में आराम से दर्शन कर लेते हैं, वहीं दूसरी ओर बड़ी संख्या में आम लोग घंटों, कभी-कभी पूरे दिन, कतारों में खड़े रहते हैं। इस दौरान उन्हें भीड़, धक्का-मुक्की, बदतमीजी और कई बार मारपीट जैसी स्थितियों का सामना करना पड़ता है। यह अनुभव केवल असुविधाजनक नहीं, बल्कि अपमानजनक भी होता है—विशेषकर तब जब व्यक्ति अपनी आस्था और श्रद्धा के साथ वहां पहुंचा हो।

ईरान युद्ध के बाद नई दिशा में भारत सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को कूटनीतिक बनाने पड़ सकती......!

अजय दीक्षित

ईरान युद्ध जिस तरह लड़ा गया और सीजफायर हुआ इससे मध्य पूर्व और दक्षिण एशिया में कूटनीतिक रूप से व्यापक प्रभाव पड़ने वाली है और भारत की कूटनीतिक मुश्किल दरवाजे पर खड़ी है। विशेषकर तब जब अमेरिका ईरान युद्ध की मध्यस्थता भारत धुर विरोधी देश पाकिस्तान ,तुर्की, मिश्र जैसे देश कर रहे हैं।

भारत अब तक मध्य पूर्व में इजरायल को अगुआ बना कर अपनी प्राथमिकता तय करता था।इस युद्ध के बाद ईरान के मुस्लिम देशों का नेता बनने का माहौल बन रहा है जिससे गैर मुस्लिम देश भारत और इजरायल को नई मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। हो सकता है कि इसराइल इस युद्ध के सीजफायर को माने ही नहीं क्योंकि वह लेबनान पर हमला जारी रखेगा। यूएस प्रेसिडेंट डॉनल्ड ट्रंप ने कहा है कि अमेरिका की ओर से इसराइल पर यह बाध्यता नहीं होगी कि वह हिज्बुल्लाह, हमास हुती पर हमला न करें। और अगर हमले जारी रहेंगे तो ईरान अब खुले तौर पर इसराइल से युद्ध करेगा । चाइना और रूस अब उसका साथ खुले तौर पर देंगे। अमेरिका तो युद्ध से एग्जिट हो गया क्योंकि उसे यही करना था ।जेडी वेंस, तुलसी गैबार्ड, रक्षा मंत्री, रोबियो,सब ने दबाब बनाया कि इसराइल ने इस युद्ध में अमेरिका को उलझा दिया। सीनेट, हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव में भी यही मनसा थी । बढ़ी चतुराई से अमेरिका सम्मानजनक तरीके से एग्जिट हुआ । इसमें पाकिस्तान के सेना प्रमुख मुनीर खान, और प्रधानमंत्री मंत्री शहवाज शरीफ ने मौजतफा खामनाई को समझा दिया कि अभी सीजफायर कर लो ।

इजरायल इस सीजफायर के खिलाफ था।अब होगा यह कि मुस्लिम देशों, पाकिस्तान, तुर्की, मिश्र, ईरान, इराक, कतर, बहरीन, सऊदी अरब, यूएई कुवैत, इसराइल पर दबाव बनाएंगे कि पालिस्टिन,गाजा,की कब्जाई गई जमीन वापिस करे अन्यथा

कारवाही के लिए तैयार रहे । इसराइल अब बहुत बड़े संकट में इसलिए फंस गया है कि उसके चारों ओर मुस्लिम देश है।

हिज्बुल्लाह, हमास, हुती सक्रिय हो सकते हैं और उन्हें बेहिसाब मदद ईरान और मुस्लिम देश करेंगे। इसराइल का गॉडफादर अमेरिका अब कतई मदद नहीं करेगा। आगे चल कर इसराइल का अस्तित्व समाप्त करने की कोशिश करेंगे

मुस्लिम देश।

भारत के लिए संकट यह है कि लश्कर ए तोयबा, सक्रिय हो कर पाकिस्तान की शह पर कश्मीर में उग्रवादी गतिविधियों को बड़ा सकते हैं। स्व अयातुल्ला खुमानी ने कश्मीरी लोगों

के लिए हमदर्दी जताई थी ईरान की नई लीडरशिप भी यही बात आगे बढ़ाएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समक्ष एक ओर खाड़ी देशों और ईरान से आने वाला तेल है जो अर्थ व्यवस्था के लिए जरूरी है दूसरी ओर कश्मीर जो बीजेपी के लिए नाक का प्रश्न है।

हो सकता है कि ओ आई सी कश्मीर के संबंध कोई प्रस्ताव पारित करे और पाकिस्तान, तुर्की, अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर कश्मीर उठाए। हालांकि भारत अकेला भी पड़ जाय तब भी कोई देश कुछ नहीं बिगाड़ सकता क्योंकि भारत परमाणु सकती भी है और संपन्न देश भी है। भारत के पक्ष में एक तथ्य यह भी है कि भारत के पाकिस्तान को छोड़कर सभी मुस्लिम देशों से संबंध ठीक है । जिसमें ईरान से संबंध बहुत ही बेहतर है क्योंकि ईरान मुस्लिम देशों अकेला गैर सुन्नी मुस्लिम देश है।यहां पर शिया मुस्लिम रहते हैं। शिया मौलवी सैयद अलिफ जैदी कहते हैं कि ईरान भारत का पंडित जवाहरलाल नेहरू के जमाने से फिर इंदिरा गांधी, राजीव गांधी तक मित्र राष्ट्र रहा है क्योंकि भारत ने हमेशा पालिस्टिन,का यासिर अराफात के जमाने से समर्थन किया।

मेष राशि: आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहेगा। आज कार्य स्थल पर पुरानी कंपनी का अनुभव आपके लिए काफी कारगर साबित होगा। आध्यात्मिकता की ओर आपका रुझान बढ़ेगा है। उच्चाधिकारी आपसे प्रसन्न हो सकते हैं। घर पर मेहमानों का आगमन हो सकता है। करियर में आपको बड़ी सफलता हासिल हो सकती है।

वृष राशि: आज आपका दिन उत्तम रहेगा। आपको किसी से खास व्यक्ति से उपहार मिलेगा इससे आपका मन खुश रहेगा। परिवार में हर्षोल्लास का वातावरण रहेगा। दाम्पत्य जीवन में आपसी सामंजस्य बेहतर रहेगा। सेहत के लिहाज से आप चुस्त-दुरुस्त रहेंगे। विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए शिक्षकों का पूरा-पूरा सहयोग मिलेगा।

मिथुन राशि: आज आपको आर्थिक रूप से अपने सगे संबंधियों की मदद मिल सकती है। करियर में बड़ी उपलब्धि हासिल होने के योग बन रहे हैं। नकारात्मक लोगों से बचकर रहें, व्यर्थ की बहस में पड़ने से बचें। भविष्य की योजनाओं को लेकर ओवर थिंकिंग न करें सब अच्छा होगा। परिवार वालों के साथ किसी टूर का प्लान बना सकते हैं।

कर्क राशि: आज आपका दिन ठीक ठाक रहेगा। आपको मित्रों से कुछ बेहतर सलाह मिल सकती है। वर्क फ्रॉम होम कर रहे लोगों का रुका हुआ काम आज कम्पलीट हो जाएगा, आप काम के नए टारगेट बनाएंगे। होल सेल का व्यापार कर रहे लोगों को आज अधिक मुनाफा होगा।

सिंह राशि: आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। आज आप आत्मविश्वास से लवरेज रहेंगे, नौकरी पेशा लोगों को तरक्की के नए अवसर मिल सकते हैं। आज परिवार के साथ धार्मिक यात्रा की योजना बनाएंगे। जो लोग फिल्म जगत से जुड़े हैं उनको काम का अच्छा ऑफर मिल सकता है। आज हेल्थ से रिलेटेड प्रॉब्लम्स खत्म होने से एनर्जेटिक रहेंगे और काम करने में आपका मन लगा रहेगा।

कन्या राशि: आज आपका दिन शानदार रहेगा। नौकरीपेशा लोगों के लिए आज का दिन व्यस्तता से भर रहेगा। उन्हें काम से जुड़ी बड़ी खुशखबरी मिलेगी। सही योजना के तहत आप अपने करियर में बदलाव लाने में सफल होंगे। आज किसी बुजुर्ग व्यक्ति से मिलकर आप काफी मोटीवेट हो जाएंगे और कार्यक्षेत्र में चुनौतियों का सामना करने के सक्षम बनेंगे।

तुला राशि: आज आपका दिन मिला जुला रहेगा। कारोबार संबंधी यात्राओं का योग बन रहा है, जिससे आपको धन संबंधी फायदा होगा। काम की गति धीमी हो सकती है। जीवनसाथी के साथ आपके रिश्ते बेहतर होंगे। दोस्तों के साथ कहीं घूमने जाने का प्रोग्राम आपको कैंसिल करना पड़ सकता है। किसी के प्रति अपनी राय को अपने तक ही सीमित रखें।

वृश्चिक राशि: आज आप अपने माता पिता के साथ धार्मिक स्थल पर जा सकते हैं। घर में नए मेहमान के आने की संभावना है, जिससे परिवार का माहौल खुशनुमा रहेगा। जीवनसाथी के बीच सामंजस्य बना रहेगा। किसी मित्र के साथ मूवी देखने की प्लानिंग कर सकते हैं। लवमेट के लिए आज का दिन बढ़िया है। आपको बड़ा ऑफर मिलने से धन लाभ हो सकता है। कामकाज में आप बहुत बिजी हो सकते हैं।

धनु राशि: आज आपका दिन उत्तम रहेगा। आज जरूरी घरेलू काम निपटाने में आप सफल रहेंगे। दोस्तों के साथ आउटिंग पर जाने से आपको खुशी मिलेगी। धन से जुड़ी समस्या दूर हो जाएगी। साथ ही रुके हुए धन की प्राप्ति भी होगी। कार्य क्षमता के बल पर आपको आगे बढ़ने के कई मौके मिलेंगे।

मकर राशि: आज आपका दिन पहले की अपेक्षा बेहतर रहेगा। आप अपनी ऊर्जा अच्छे कार्यों में लगा सकते हैं। इस राशि के सरकारी कर्मचारियों को लाभ मिल सकता है। आपको अपनी मेहनत के हिसाब से फल की प्राप्ति हो सकती है। नए व्यापार के सिलसिले में की गई यात्रा फायदेमंद हो सकती है। जीवनसाथी का सहयोग मिलने से आपका मन उत्साह से भरा हो सकता है।

कुंभ राशि: आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। घर परिवार में किसी मांगलिक आयोजन की रूपरेखा बनेगी। विद्यार्थी अपना समय अध्ययन में लगाएंगे, इससे उन्हें सफलता मिलेगी। आप सुबह के समय वर्क आउट शुरू कर सकते हैं, जिससे आप चुस्त-दुरुस्त बने रहेंगे। आपको व्यवसाय से जुड़े सुनहरे अवसर प्राप्त होंगे। सामाजिक स्तर पर आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी। आज आपको बड़ी जिम्मेदारी मिलेगी।

मीन राशि: आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। जीवनसाथी की बेहतर सलाह से आपको पैसे कमाने का नया जरिया प्राप्त हो सकता है। साथ ही उनके साथ बिताए गए कुछ पल आपके रिश्ते को और भी मजबूत बनाएंगे। मित्रों के साथ किसी बात को लेकर थोड़ी बहस हो सकती है।

भारत के अंतिम छोर पर स्थित स्वास्थ्य एवं कल्याण इकोसिस्टम को मजबूत बनाना

प्रतापराव जाधव

अब जबकि भारत सभी के लिए न्यायसंगत, समावेशी और समग्र स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे के सपने को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, हमें एक मौलिक प्रश्न पूछना होगा: हम अंतिम गांव के अंतिम व्यक्ति तक सही समय पर गुणवत्तापूर्ण देखभाल पहुंचना कैसे सुनिश्चित करें?

इसका जवाब केवल बुनियादी ढांचे के विस्तार या उन्नत प्रौद्योगिकियों के उपयोग में ही नहीं, बल्कि उन प्रणालियों को मजबूत करने में भी निहित है जो स्वाभाविक रूप से सुलभ, सस्ती और समुदायों के भरोसे पर खरे उतरते हों। इस संदर्भ में, होम्योपैथी भारतीय पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों के साथ-साथ एक मौन लेकिन शक्तिशाली ताकत के रूप में उभर रही है और जमीनी स्तर पर समग्र स्वास्थ्य से जुड़े बुनियादी ढांचे को बदल रही है।

हम यह दिखाई दे रहा है कि होम्योपैथी कैसे जनजातीय क्षेत्रों, ग्रामीण इलाकों और स्वास्थ्य सेवाओं की कमी वाले शहरी क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की आपूर्ति से जुड़ी महत्वपूर्ण कमियों को दूर कर रही है। इसके प्रभाव का पता केवल व्यापकता से ही नहीं, बल्कि सबसे अधिक जरूरत वाले स्थानों – यानी अंतिम छोर – तक पहुंचने की क्षमता से भी चल रहा है।

अब जबकि हर वर्ष 10 अप्रैल को मनाया जाने वाला 'विश्व होम्योपैथी दिवस' करीब है, यह इस बात पर विचार करने का एक सही मौका है कि यह प्रणाली केवल व्यक्तिगत कल्याण ही नहीं बल्कि समग्र कल्याण का एक ऐसा मॉडल बनाने में भी योगदान दे रही है जो किफायती, पर्यावरण के अनुकूल और सामाजिक रूप से समावेशी हो। इस वर्ष विश्व होम्योपैथी दिवस की थीम सतत स्वास्थ्य के लिए होम्योपैथी है।

18वीं शताब्दी में सैमुअल हैनिमैन द्वारा विकसित और 19वीं शताब्दी में भारत लाई गई, होम्योपैथी सिमिलिया सिमिलिबस क्यूरेंचर यानी समान से समान

का उपचार के सिद्धांत पर आधारित है। दशकों से एक समग्र और रोगी-केंद्रित दृष्टिकोण अपनाते हुए, यह भारत की बहुआयामी स्वास्थ्य एवं कल्याण प्रणाली का एक अभिन्न अंग बन गई है।

जमीनी स्तर पर होम्योपैथी की सबसे बड़ी खूबी इसकी निरंतर देखभाल सुनिश्चित करने की क्षमता है। कई पिछड़े इलाकों में स्वास्थ्य सेवा टुकड़ों में बिखरी हुई नहीं होती, बल्कि निरंतर और रिश्तों से सचालित होती है। होम्योपैथी का व्यक्ति-केन्द्रित उपचार का दृष्टिकोण, खासतौर पर पुरानी बीमारियों, बार-बार होने वाले संक्रमणों और जीवनशैली संबंधी विकारों के प्रबंधन के क्रम में चिकित्सक और रोगी के बीच दीर्घकालिक जुड़ाव को बढ़ावा देता है। यह निरंतरता उपचार के प्रति रोगी के समर्पण और समग्र स्वास्थ्य से जुड़े नतीजों में उल्लेखनीय सुधार करती है।

आज भारत में 290 से अधिक होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल हैं। साथ ही, देशभर में चिकित्सकों का एक विशाल नेटवर्क भी उपलब्ध है। फिर भी, होम्योपैथी के असली प्रभावों को संस्थानों में नहीं बल्कि जमीनी स्तर पर – झारखंड के जनजातीय जिलों, छत्तीसगढ़ के वन क्षेत्रों में और हिमाचल प्रदेश की दूरदराज की बस्तियों में – बेहतर ढंग से समझा जा सकता है। वहां एक अकेला चिकित्सक भी सामुदायिक स्वास्थ्य से जुड़े नतीजों में बदलाव ला सकता है। होम्योपैथी की प्रमुख खूबियों में से एक इसकी सरलता भी है। दवाइयां किफायती होती हैं, इन्हें लाना-ले जाना आसान होता है और इनके भंडारण के लिए किसी जटिल भंडारण संरचना की जरूरत ही नहीं होती है। कमजोर आपूर्ति श्रृंखलाओं और सीमित स्वास्थ्य सेवा कर्मियों वाले इलाकों में, होम्योपैथी की ये विशेषताएं अनमोल हो जाती हैं। जनजातीय समुदायों, जो हमारी आबादी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं और अक्सर बीमारियों का बेमेल बोझ झेलते हैं, के लिए स्वास्थ्य सेवाओं को सांस्कृतिक रूप से भी अनुकूल होना चाहिए। होम्योपैथी का सौम्य और गैर-आक्रामक रवैया पारंपरिक उपचार पद्धतियों के अनुरूप है, जिससे यह अपेक्षाकृत अधिक स्वीकार्य और सुलभ हो जाता है।

इसी क्षमता को पहचानते हुए, भारत सरकार ने होम्योपैथी को मुख्यधारा की स्वास्थ्य सेवाओं साथ जोड़ने के लिए कई कदम उठाए हैं। राष्ट्रीय आयुष मिशन के तहत, 12,500 से अधिक आयुष्मान आरोग्य मंदिर (आयुष) स्थापित किए गए हैं, जो सामुदायिक स्तर पर होम्योपैथी सहित व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करते हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि होम्योपैथी भारत में गैर-संक्रामक रोगों से निपटने में भी योगदान दे रही है। केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद (सीसीआरएच) ने मधुमेह, हृदय रोग और अन्य दीर्घकालिक बीमारियों से निपटने से संबंधित राष्ट्रीय कार्यक्रमों में होम्योपैथी को जोड़ा है। यह प्राथमिक देखभाल से परे इसकी प्रासंगिकता को दर्शाता है। आपूर्ति के नए-नए मॉडल भी उतने ही उत्साहजनक हैं। आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के अंतर्गत सेवाओं के एक ही स्थान पर उपलब्ध होने की सुविधा ने पहुंच और विश्वास दोनों को बेहतर बनाया है। चलंत चिकित्सा इकाइयां जहां दूरदराज के इलाकों तक पहुंच रही हैं, वहीं सामुदायिक सहायता से जुड़ी पहलों और महामारी से निपटने से संबंधित कार्यक्रमों ने विभिन्न सार्वजनिक स्वास्थ्य परिदृश्यों में होम्योपैथी की अनुकूलता को प्रदर्शित किया है।

भारत फ्रांस से खरीदेगा 114 नए राफेल, लेकिन सरकार की इस शर्त से उड़ जाएंगे दुश्मनों के होश

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारतीय वायुसेना की ताकत में जल्द ही एक बड़ा इजाफा होने जा रहा है। भारत फ्रांस से 114 नए राफेल लड़ाकू विमान खरीदने की महा-योजना पर तेजी से काम कर रहा है। लेकिन इस बार यह डील सामान्य नहीं होगी। भारत ने इस 3.25 लाख करोड़ रुपये के रक्षा सौदे में एक ऐसी कड़ी शर्त जोड़ दी है, जिसने दुश्मनों की नींद उड़ा दी है। सरकार ने साफ कर दिया है कि इन नए राफेल विमानों में भारत में बनी स्वदेशी मिसाइलों और घातक हथियार प्रणालियों को पूरी तरह से एकीकृत (इंटीग्रेट) करना अनिवार्य होगा। रिपोर्ट के मुताबिक, 'खरीदो और बनाओ' मॉडल के तहत होने वाली इस डील में इंटरफेस कंट्रोल डॉक्यूमेंट (ICD) को पक्का किया जाएगा, ताकि देसी हथियारों के इस्तेमाल में कोई तकनीकी रुकावट न आए।

18 राफेल फ्रांस से आएंगे, 96 फाइटर जेट्स देश में ही बनेंगे

रक्षा मंत्रालय की तरफ से अगले महीने फ्रांसीसी जेट निर्माता कंपनी डसॉल्ट को रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल (RFP) जारी किए जाने की उम्मीद है, जिसके बाद इस अनुबंध पर अंतिम बातचीत शुरू हो जाएगी। आपको बता दें कि रक्षा अधिग्रहण परिषद (DAC) ने बीते 12 फरवरी को ही इस मेगा डील को अपनी हरी झंडी दे दी थी। डीएसी द्वारा मंजूर किए गए प्रस्ताव के मुताबिक, 18 फाइटर जेट फ्रांस से सीधे उड़ान भरने की स्थिति (फ्लाई-अवे कंडीशन) में भारत को सौंपे जाएंगे। वहीं, बाकी बचे 96 राफेल विमानों का निर्माण भारत में ही किया जाएगा, जिनमें 25 प्रतिशत से ज्यादा स्वदेशी कलपुर्जों और सामग्री का इस्तेमाल किया जाएगा।

क्या 'सोर्स कोड' को लेकर खटाई में पड़ गई है यह डील?

बीते दिनों ऐसी खबरें सामने आई थीं कि डसॉल्ट ने भारत को लड़ाकू

विमान का सीक्रेट 'सोर्स कोड' देने से साफ इनकार कर दिया है, जिसके कारण इस डील में बड़ी रुकावट आ गई है। हालांकि, रक्षा मंत्रालय के शीर्ष अधिकारियों ने इन तमाम अटकलों को सिरे से खारिज कर दिया है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि कोई भी देश इस तरह का मालिकाना सॉफ्टवेयर कोड (जो रडार और हथियारों को कंट्रोल करता है) किसी तीसरे देश को नहीं देता है। यह कोड कंपनी की अपनी बौद्धिक संपदा होता है। यहां तक कि भारत का सबसे पुराना रणनीतिक साझेदार रूस भी अपने विमानों का सोर्स कोड साझा नहीं करता है। ऐसे में यह साफ है कि डील बिना किसी रुकावट के अपने सही रास्ते पर आगे बढ़ रही है।

विदेशी निर्भरता खत्म करने के लिए स्वदेशी 'तेजस' पर बड़ा फोकस

एक तरफ जहां भारत अपनी तात्कालिक सुरक्षा जरूरतों को पूरा करने के लिए विदेशी लड़ाकू विमान खरीद रहा है, वहीं भविष्य के लिए वह पूरी तरह से आत्मनिर्भर बनने की राह पर भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। भारत ने फिलहाल अमेरिका या रूस से पांचवीं पीढ़ी के विमान खरीदने का कोई फैसला नहीं लिया है। इसके बजाय सरकार स्वदेशी रूप से 'तेजस मार्क 1' के विकास पर अपना पूरा ध्यान केंद्रित कर रही है। इसके साथ ही लंबी दूरी की मिसाइलों और दो इंजन वाले एडवांस मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (AMCA) पर भी युद्धस्तर पर काम चल रहा है, ताकि आने वाले समय में विदेशी हवाई हथियारों और मिसाइलों पर भारत की निर्भरता को हमेशा के लिए खत्म किया जा सके।

भगवंत सिंह मान ने केंद्रीय खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री से मुलाकात की, केंद्र ने सीएम मान की मांग पर सहमति जताई

नई दिल्ली (आरएनएस)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज नई दिल्ली में केंद्रीय खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रह्लाद जोशी से मुलाकात की। मुलाकात के दौरान उन्होंने राज्य के किसानों और मंडियों के लिए कई महत्वपूर्ण राहत उपाय सुनिश्चित किए। इस दौरान केंद्र ने पंजाब में पड़े 155 लाख मीट्रिक टन अनाज की लिफ्टिंग के लिए विशेष रेल गाड़ियां चलाने पर सहमति दे दी, जिससे रबी मंडीकरण सीजन से पहले राज्य में अनाज भंडारण संबंधी गंभीर संकट से निपटने में मदद मिलेगी।

इस हस्तक्षेप के साथ-साथ मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने पंजाब पर बोझ बने संरचनात्मक मुद्दों के समाधान पर जोर दिया, जिसमें उच्च नकद ऋण ब्याज दरें, ग्रामीण विकास फंड के तहत लंबित 9,000 करोड़ रुपए, ओलावृष्टि से प्रभावित फसलों के लिए मुआवजा और आढ़तियों की लंबे समय से लंबित मांगें शामिल हैं। केंद्रीय मंत्री ने इन मुद्दों पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी और लंबित मुद्दों के समाधान के लिए सचिव स्तरीय व्यवस्था बनाने सहित ठोस कदम उठाने का भरोसा दिया।

एक्स हैंडल पर बैठक की जानकारी साझा करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा- आज दिल्ली में मैंने केंद्रीय खाद्य मंत्री प्रह्लाद जोशी जी के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। इस दौरान हमने आढ़तियों की मांगों सहित पंजाब से संबंधित विभिन्न प्रमुख मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की।

दिल्ली से राजस्थान तक चढ़ने लगा पारा, पहाड़ी राज्यों में बारिश-बर्फबारी से मौसम सुहाना

नईदिल्ली (आरएनएस)। अप्रैल के दूसरे सप्ताह में गर्मी ने तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। पहला सप्ताह अंधड़-बारिश और ओलावृष्टि के कारण राहत भरा रहा था, लेकिन अब पारा चढ़ने लगा है। राजस्थान में तापमान 37 डिग्री के ऊपर निकल गया है और 1-2 दिन में 40 डिग्री तक पहुंच सकता है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार, उत्तर भारत के कई राज्यों में तापमान बढ़ने के आसार हैं, वहीं 11 राज्यों में तेज हवाओं के साथ बौछारें पड़ सकती हैं।

राजस्थान के पश्चिमी जिलों का तापमान 3 डिग्री तक बढ़ गया है। शुक्रवार को बाड़मेर में पारा 37.5 डिग्री तक पहुंच गया। आज कुछ शहरों में बादल छाए रह सकते हैं, लेकिन बारिश की संभावना कम है। अगले सप्ताह तापमान 40 डिग्री तक पहुंच सकता है और लू चलने के आसार हैं। मध्य प्रदेश के कई शहरों में तापमान 5 डिग्री तक इजाफा हुआ है, वहीं उत्तर प्रदेश में गर्मी बढ़ने के साथ कुछ जगह अंधड़-बारिश होने के आसार हैं।दिल्ली समेत एनसीआर इलाके में अब मौसम का मिजाज बदल गया है। पिछले दिनों बारिश-अंधड़ से मिली राहत के बाद अब गर्मी सताने लगी है। सुबह से ही धूप और बादल देखने को मिलेंगे और सतही हवाएं चलने से धूप की तल्खी कम महसूस होगी। आज न्यूनतम तापमान 19 और अधिकतम 35 डिग्री रह सकता है। समीपवर्ती पंजाब में तापमान 35-37 डिग्री और हरियाणा में 37-39 डिग्री तक पहुंचने के आसार हैं। इससे लू चलने की स्थिति बन सकती है। उत्तराखंड के उत्तरकाशी, चमोली, रुद्रप्रयाग, पिथौरागढ़ और बागेश्वर में आज बारिश का अलर्ट है, जबकि ऊंचाई वाले इलाकों में हल्की बर्फबारी की संभावना है। हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा, कुल्लू समेत 5 जिलों में आंधड़ का यलो अलर्ट जारी किया है। कुछ जगह हल्की बूंदाबांदी होने की संभावना है। आने वाले दिनों में प्रदेश का मौसम साफ रहेगा। साथ ही जम्मू-कश्मीर में बादल छाए रहने की संभावना है। इस दौरान मैदानी इलाकों में बारिश और ऊंचाई पर बर्फबारी हो सकती है।

14 अप्रैल को इस्तीफा दे सकते हैं नीतीश, आज जेडीयू नेताओं से मिलेंगे, बीजेपी की भी बैठक

पटना(आरएनएस)। नीतीश कुमार ने राज्यसभा के सदस्य के रूप में शपथ ग्रहण कर लिया। इसके साथ ही अब बिहार के नए सीएम के नाम पर मंथन तेज हो गया है। बिहार के सियासी गलियारों में हलचल काफी बढ़ गई है। सूत्रों के मुताबिक माना जा रहा है कि नीतीश कुमार 14 अप्रैल सीएम पद से इस्तीफा दे सकते हैं। वहीं अगले दिन यानी 15 अप्रैल को बिहार में नई सरकार का गठन हो सकता है।

वहीं इस बीच बिहार में आज भी सियासी सरगर्मी चरम पर है। राज्यसभा की सदस्यता ग्रहण करने के बाद आज नीतीश कुमार जेडीयू के नेताओं से मुलाकात करेंगे। वहीं भारतीय जनता पार्टी के नेताओं की भी बैठक होनेवाली है। यह चर्चा लंबे अर्से से चल रही है कि नीतीश की जगह बीजेपी अपना सीएम बनाने वाली है। लेकिन बीजेपी की ओर से सीएम कौन होगा इस पर अभी तक कोई औपचारिक घोषणा नहीं हुई है। डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी का नाम सबसे आगे चल रहा है।

इस बीच सीएम हाउस 1 अणे मार्ग पर हलचल बढ़ गई है। नीतीश कुमार का सामान 1 अणे मार्ग से 7 सर्कुलर रोड शिफ्ट हो रहा है। सूत्रों के मुताबिक, पिछले कुछ समय से 7 सर्कुलर रोड को व्यवस्थित और तैयार किया जा रहा था। अब वहां शिफ्टिंग की प्रक्रिया शुरू हो गई है, जिसमें जरूरी फाइलें, फर्नीचर और अन्य सामान को धीरे-धीरे नए आवास में पहुंचाया जा रहा है। हालांकि, इस बदलाव को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।नीतीश कुमार ने शुक्रवार को राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ लेकर एक कीर्तिमान स्थापित किया। वह लोकसभा, राज्यसभा, विधानसभा और विधान परिषद-चारों सदनों के सदस्य रहने वाले बिहार के चुनिंदा नेताओं की सूची में शामिल हो गए हैं। इस उपलब्धि के साथ नीतीश कुमार उन नेताओं की सूची में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने चारों विधायी सदनों की सदस्यता का अनुभव प्राप्त किया है।

पश्चिम बंगाल के शिक्षक भर्ती घोटाले में पूर्व मंत्री पार्थ चटर्जी के घर ईडी का छापा

कोलकाता (आरएनएस)। पश्चिम बंगाल के शिक्षक भर्ती घोटाले में पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। अब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने फिर उनके आवास पर छापा मारा है। बताया जा रहा है कि घोटाले में जमानत मिलने के बाद ईडी ने चटर्जी को कई बार समन भेजा था, लेकिन वे कथित तौर पर पेश नहीं हुए। इसके बाद ईडी ने ये छापेमार कार्रवाई की है। आज सुबह ईडी की जांच टीम चटर्जी के नकटाला स्थित घर पहुंची। उनके साथ बड़ी संख्या में केंद्रीय एजेंसियों का सुरक्षाबल भी था। कुछ रिपोर्ट में कहा गया है कि ईडी पार्थ से पूछताछ करना चाहती थी और पार्थ ने उन्हें खुद घर आने को कहा था। वहीं, ईडी की एक टीम प्रसन्ना रॉय के न्यू टाउन स्थित कार्यालय भी पहुंची है। प्रसन्ना भर्ती मामले में आरोपी बिचौलियों में से एक है।पश्चिम बंगाल सरकार ने 2016 में सरकारी और सहायता प्राप्त स्कूलों के लिए 25,000 से अधिक शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की भर्ती की थी।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों से पहले मुर्शिदाबाद जिले के जंगीपुर में एक जनसभा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

राज्यसभा में फिर गूंजेगी हरिवंश की आवाज, राष्ट्रपति ने दोबारा किया मनोनीत

नई दिल्ली (आरएनएस)। राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश का बतौर सांसद कार्यकाल आज खत्म हो रहा है। जनता दल यूनाइटेड (JD) की तरफ से इस बार उन्हें राज्यसभा का टिकट नहीं दिया गया था, जिसके बाद यह लगभग तय माना जा रहा था कि उच्च सदन से उनकी विदाई हो जाएगी। लेकिन ऐन मौके पर एक ऐसा बड़ा उलटफेर हुआ है, जिसने हर किसी को चौंका दिया है। सियासी पारी खत्म होने की अटकलों के बीच हरिवंश को अब एक और कार्यकाल का शानदार तोहफा मिल गया है।उच्च सदन से विदाई की चर्चाओं के बीच, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने हरिवंश को अपने कोटे से राज्यसभा सांसद मनोनीत कर दिया है। गृह मंत्रालय की ओर से इस संबंध में आधिकारिक गजट नोटिफिकेशन भी जारी कर दिया गया है। इस बड़े फैसले के बाद अब यह पूरी तरह से साफ हो गया है कि अगले छह साल तक राज्यसभा में हरिवंश की आवाज पहले की तरह गूंजती रहेगी। बतौर राज्यसभा सांसद यह उनका तीसरा कार्यकाल होगा। गौरतलब है कि संविधान के अनुच्छेद 80 के तहत राष्ट्रपति को साहित्य, विज्ञान, कला और समाज सेवा जैसे क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली 12 हस्तियों को राज्यसभा के लिए मनोनीत करने का अधिकार है।

10 घंटे तक डिजिटल अरेस्ट रहे माता-पिता, 8वीं के बेटे ने एक झटके में फेल कर दिया साइबर ठगों का प्लान

बरेली (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के बरेली जिले से डिजिटल अरेस्ट के नाम पर होने वाली साइबर ठगी का एक बेहद खौफनाक और हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां शातिर साइबर जालसाजों ने बड़ी चालाकी से एक व्यापारी दंपति को अपनी बातों के जाल में फंसा लिया और उन्हें आतंकवादी गतिविधियों में शामिल होने का डर दिखाकर करीब 10 घंटे तक 'डिजिटल अरेस्ट' रखा। आरोपी ठग अपने नापाक मंसूबों में लगभग कामयाब हो ही गए थे और दंपति की जीवन भर की कमाई लुटने ही वाली थी, लेकिन तभी घर में मौजूद आठवीं कक्षा में पढ़ने वाले उनके नाबालिग बेटे ने अपनी सूझबूझ से पूरी बाजी पलट दी। अब पुलिस अधिकारी भी इस बच्चे की समझदारी की जमकर तारीफ कर रहे हैं।

आतंकी गतिविधियों का दिखाया डर और फिर शुरू हुआ खौफ का खेल

यह पूरी घटना बरेली के प्रेमनगर थाना क्षेत्र की है। मामले की जानकारी देते हुए एसपी सिटी मानुष पारीक ने बताया कि सुरखा बानखाना के रहने वाले व्यापारी संजय सक्सेना को अचानक एक अज्ञात नंबर से कॉल आया था। कॉल करने वाले शातिर ठग ने खुद को एक बड़ी जांच एजेंसी का अधिकारी बताया और आरोप लगाया कि संजय का मोबाइल नंबर किसी आतंकी गतिविधि और करोड़ों रुपये के बड़े घोटाले में इस्तेमाल किया गया है। दहशत फैलाने के लिए साइबर ठग ने बकायदा पुलिस यूनिफॉर्म में वीडियो कॉलिंग की और दंपति को फर्जी अरेस्ट वारंट तक दिखा दिया। इसके बाद डर से सहमे दंपति को डिजिटल अरेस्ट का खौफ दिखाकर लगातार वीडियो कॉल पर बने रहने के लिए मजबूर किया गया।

हर काम कैमरे के सामने करने की थी शर्त, बैंक डिटेल भी कर ली थी हासिल

साइबर ठगों ने वीडियो कॉलिंग के दौरान इस दंपति को इतना ज्यादा डरा दिया था कि वे मानसिक रूप से पूरी तरह बंधक बन चुके थे। ठगों ने उन्हें सख्त हिदायत दी थी कि वे घर से बाहर नहीं जाएंगे और अपनी हर गतिविधि को कैमरे के सामने ही करेंगे। यहां तक कि खाना खाने और सोने के दौरान भी वीडियो कॉल को चालू रखने का दबाव बनाया गया। इस दौरान शातिर ठगों ने दंपति को अपनी बातों में उलझाकर उनके बैंक खातों से जुड़ी सभी अहम और गोपनीय जानकारी भी हासिल कर ली थी। ठग बस खातों से पैसा निकालने ही वाले थे कि अचानक कहानी में एक बड़ा ट्विस्ट आ गया।

आधी रात को बेटे ने दिखाई समझदारी और पलट दी बाजी

जब माता-पिता खौफ में जी रहे थे, तब उनके 8वीं कक्षा में पढ़ने वाले बेटे तन्मय को इस पूरी घटना पर शक होने लगा। उसने अपने पिता को समझाने की बहुत कोशिश की कि यह कोई ठगी है, लेकिन दहशत में आ चुके पिता उसकी बात मानने को तैयार नहीं हुए। आखिरकार देर रात तन्मय ने गजब का साहस दिखाते हुए अचानक से मोबाइल को 'एयरोप्लेन मोड' पर डाल दिया।

वाटरफॉल पर एक छोटी सी गलती और पलक झपकते ही पानी में समा गई 3 लड़कियां, रूह कंपा देगा मंजर

आल्लूरी सीतारामाराजू (आरएनएस)। आंध्र प्रदेश के आल्लूरी सीतारामाराजू जिले से एक बेहद दर्दनाक और रूह कंपा देने वाली घटना सामने आई है। त्योहार की छुट्टियों का जश्न उस वक्त मातम में बदल गया, जब मुल्लुंगुम्मी वाटरफॉल पर मौज-मस्ती करने गईं तीन किशोरियों की डूबने से मौत हो गई। बताया जा रहा है कि यह खौफनाक हादसा महज एक सेल्फी लेने के चक्कर में हुआ। इस घटना ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि सोशल मीडिया पर अच्छी तस्वीरों और रोमांच की चाहत कैसे पल भर में हंसती-खेलती जिंदगियां छीन सकती है।

चट्टान पर चढ़कर सेल्फी लेना पड़ा भारी

जानकारी के मुताबिक, यह दिल दहला देने वाला हादसा हुकुमपेटा मंडल के बुरजा पंचायत के पास स्थित मुल्लुंगुम्मी वाटरफॉल पर हुआ। जांबावलासा गांव की रहने वाली पांच लड़कियां त्योहार की छुट्टियों के दौरान इस वाटरफॉल पर घूमने आई थीं। पुलिस के मुताबिक, ये लड़कियां वाटरफॉल के पास खड़ी होकर तस्वीरें और

सेल्फी वीडियो ले रही थीं। इसी दौरान कुछ अलग करने की चाहत में उनमें से तीन लड़कियां एक बड़े पत्थर पर चढ़ गईं। तभी अचानक पैर फिसला और संतुलन बिगड़ने से तीनों पानी की तेज धार में गिर गईं। आसपास मौजूद लोग जब तक उन्हें बचाने के लिए दौड़ते, तब तक पानी का तेज बहाव उन्हें अपने साथ काफी दूर ले जा चुका था।

तीनों के शव बरामद, गांव में पसरा मातम

हादसे के बाद प्रशासन ने रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया और कड़ी मशक्कत के बाद तीनों लड़कियों के शव बरामद कर लिए। मृतकों की पहचान 17 वर्षीय ट्रिशा, 16 वर्षीय रत्ना कुमारी और 16 वर्षीय पवित्रा के रूप में हुई है, जबकि उनके साथ गई अन्य दो लड़कियां सुरक्षित बच गई हैं। इस घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और राजस्व विभाग के अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने तीनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है। इस दर्दनाक हादसे के बाद से पूरे जांबावलासा गांव में मातम पसरा हुआ है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

चेतावनी के बाद भी जान जोखिम में डाल रहे पर्यटक

इस दर्दनाक घटना ने आल्लूरी सीतारामाराजू जिले के पर्यटन स्थलों और वॉटरफॉल्स की सुरक्षा व्यवस्था पर कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। हैरान करने वाली बात यह है कि इस इलाके में पहले भी ऐसी जानलेवा घटनाएं हो चुकी हैं।

दिल्ली में नई ईवी पॉलिसी का ड्राफ्ट जारी : 2028 से सिर्फ इलेक्ट्रिक दोपहिया, 2027 से ई-ऑटो ही होंगे रजिस्टर

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण पर लगाम लगाने के लिए राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार ने दिल्ली इलेक्ट्रिक व्हीकल पॉलिसी 2026-2030 का ड्राफ्ट जारी किया है। चार साल की यह नीति इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) को तेजी से बढ़ावा देने, हवा की गुणवत्ता सुधारने और साफ-सुथरे ट्रांसपोर्ट सिस्टम को मजबूत करने पर केंद्रित है। यह पॉलिसी भारत के संविधान के अनुच्छेद 21 से प्रेरित है, जो स्वच्छ हवा और प्रदूषण मुक्त वातावरण को जीवन के अधिकार का हिस्सा मानती है। साथ ही, एमसी मेहता बनाम भारत संघ के फैसले और पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986 व मोटर वाहन अधिनियम, 1988 जैसे कानूनों का भी इसमें आधार लिया गया है। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग की रिपोर्ट के मुताबिक, दिल्ली में सर्दियों के दौरान 23 प्रतिशत प्रदूषण के लिए वाहन जिम्मेदार हैं। खास बात यह है कि दोपहिया वाहन कुल वाहनों का करीब 67 प्रतिशत हैं, इसलिए इन्हें तेजी से इलेक्ट्रिक में बदलना बेहद जरूरी माना गया है। इसके अलावा तीन पहिया, कमर्शियल कार, और छोटे मालवाहक वाहन (एन1) भी ज्यादा प्रदूषण फैलाते हैं।इस नीति के मुख्य उद्देश्य सभी वाहन वर्गों में ईवी अपनाने को बढ़ावा देना, चार्जिंग नेटवर्क का विस्तार करना, बैटरी रीसाइक्लिंग सिस्टम विकसित करना और पेट्रोल-डीजल वाहनों पर निर्भरता कम करना हैं।

टैक्सी ड्राइवर के इश्क में अंधी हुई बैंक अधिकारी की पत्नी, गहने-कैश लेकर प्रेमी संग फरार; फिर रची हत्या की साजिश

अलवर (आरएनएस)। राजस्थान के अलवर जिले से रिश्तों को शर्मसार कर देने वाला एक ऐसा सनसनीखेज मामला सामने आया है, जिसे सुनकर हर कोई सन्न है। यहां एक पत्नी अपने टैक्सी ड्राइवर प्रेमी के प्यार में इस कदर अंधी हो गई कि उसने अपने ही बैंक अधिकारी पति की हत्या की खौफनाक साजिश रच डाली। पुलिस ने इस चौंकाने वाले मामले का पर्दाफाश करते हुए आरोपी पत्नी अर्चना अरोड़ा और उसके प्रेमी ऋषभ शर्मा को गिरफ्तार कर लिया है। एनईबी थाना पुलिस की इस कार्रवाई के बाद आरोपी अर्चना को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है, जबकि प्रेमी ऋषभ को पूछताछ के लिए एक दिन की पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

टैक्सी के सफर में परवान चढ़ा इश्क

अलवर के सीओ सिटी अंगद शर्मा ने मामले की

जानकारी देते हुए बताया कि 32 वर्षीय कर्णव खत्री जयपुर स्थित एक निजी बैंक में बड़े अधिकारी हैं। कर्णव की शादी साल 2018 में गोविंदगढ़ की रहने वाली 30 वर्षीय अर्चना के साथ हुई थी और उनके दो बच्चे भी हैं। पुलिस के मुताबिक, जयपुर में तैनात पति से मिलने के लिए अर्चना अक्सर ऋषभ शर्मा की टैक्सी से सफर किया करती थी। जयपुर आते-जाते इसी सफर के दौरान अर्चना और टैक्सी ड्राइवर ऋषभ के बीच गहरी दोस्ती हो गई। जल्द ही यह दोस्ती प्यार में बदल गई और दोनों के बीच अवैध संबंध स्थापित हो गए, जिसके बाद दोनों ने साथ जीने-मरने की कसमें खा लीं।

गहने-कैश लेकर प्रेमी संग हुई फरार और फिर रची हत्या की साजिश

पति कर्णव की ओर से पुलिस को दी गई शिकायत में बताया गया है कि 7 सितंबर 2025 को अर्चना अपने प्रेमी ऋषभ के साथ घर से भाग गई थी। वह अपने साथ छोटे बेटे के अलावा 5 लाख रुपये कैश और लाखों के गहने भी ले गई थी। कहानी में ट्विस्ट तब आया जब 22 दिसंबर 2025 को अर्चना ने अचानक वापस आकर अपने पति और मायके वालों के साथ मिलकर प्रेमी ऋषभ के खिलाफ ही रेप का केस दर्ज करा दिया।

बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने नई दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय में महात्मा ज्योतिराव फुले की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

तृप्ति डिमरी ने रचा इतिहास, बनी विक्टोरिया सीक्रेट से हाथ मिलाने वाली पहली भारतीय अभिनेत्री

फिल्म एनिमल की अपार सफलता के बाद नेशनल क्रश बनीं अभिनेत्री तृप्ति डिमरी ने वैश्विक स्तर पर एक ऐसी ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है, जिसने पूरे देश को गौरवान्वित कर दिया है। वो दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित और मशहूर फैशन ब्रांड विक्टोरिया सीक्रेट की पहली भारतीय ब्रांड एंबेसडर नियुक्त की गई हैं। ये न केवल उनके बढ़ते स्टारडम का प्रमाण है, बल्कि वैश्विक फैशन जगत में भारतीय सुंदरता की बदलती पहचान को भी दर्शाता है।विक्टोरिया सीक्रेट के पास दुनियाभर के लगभग हर देश की ऐसी मॉडल हैं, जो उनके लॉन्जरी ब्रांड के लिए रैंप वॉक करती हैं, लेकिन अब तक इस ब्रांड ने भारत के लिए कभी कोई ब्रांड एंबेसडर नियुक्त नहीं किया था। हालांकि, भारतीय मूल की मॉडल पहले भी विक्टोरिया सीक्रेट के लिए रैंप पर उतर चुकी हैं। ब्रिटिश-भारतीय मॉडल नीलम गिल ने 2024 और 2025 में विक्टोरिया सीक्रेट फैशन शो में वॉक करने वाली पहली पंजाबी मॉडल बनकर इतिहास रचा था।भारत की पहली ब्रांड एंबेसडर के तौर पर तृप्ति इस कैंपेन को वैश्विक स्तर पर नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए तैयार हैं। बतौर ब्रांड एंबेसडर उनका इससे जुड़ना, भारतीय बाजार में इस ब्रांड की पहुंच को एक नई और सशक्त दिशा प्रदान करेगा। विक्टोरिया सीक्रेट की स्थापना साल 1977 में कैलिफोर्निया में हुई थी। इसकी शुरुआत एक ऐसे लॉन्जरी स्टोर के रूप में की गई थी, जहां पुरुष बिना किसी झिझक के आराम से खरीदारी कर सकें।ये कलेक्शन ब्रांड की उस सदाबहार शैली को दर्शाता है, जिसमें तृप्ति का व्यक्तित्व इस कैंपेन में नई जान फूंक रहा है। ब्रांड के साथ अपनी इस साझेदारी पर बात करते हुए तृप्ति बोलीं, मेरे लिए आकर्षक होने का मतलब सिर्फ लुक (दिखावट) से नहीं है, बल्कि ये आत्मविश्वास के बारे में है। ये इस बारे में है कि आप खुद को कितनी सहजता से पेश करते हैं और आप सचमुच जो हैं, उसे कितनी गर्व से स्वीकार करते हैं।तृप्ति अब एनिमल के बाद एक बार फिर संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म स्पिरिट में नजर आएंगी। इसमें तृप्ति साउथ स्टार प्रभास के साथ इश्क फरमाने वाली हैं। तृप्ति फिल्म मां-बहन का भी हिस्सा हैं। ये एक कॉमेडी-ड्रामा होगी, जो साल 2026 में ही ओटीटी पर दस्तक दे सकती है। इस फिल्म में तृप्ति, माधुरी दीक्षित के साथ स्क्रीन शेयर करती दिखाई देंगी। इसके अलावा उन्हें हिंदी सिनेमा की दिग्गज अभिनेत्री परवीन बाबी की बायोपिक में देखा जाएगा।

मातृभूमि का रोमांटिक गाना मेरा जी नहीं भरा रिलीज, सलमान खान की फिल्म में नजर आए नए चेहरे

सलमान खान फिल्म्स म्यूजिक ने अपनी फिल्म मातृभूमिः मे वॉर रेस्ट इन पीस का नया गाना मेरा जी नहीं भरा रिलीज कर दिया है. यह सुकून देने वाला रोमांटिक ट्रैक रिलीज होते ही लोगों के दिलों को छू रहा है. जैन शॉ और अभिश्री सेन पर फिल्माया गया यह गाना युद्ध की अफरा-तफरी के बीच पनपते खूबसूरत प्यार को बखूबी दिखाता है।

सोशल मीडिया पर इस गाने को शेयर करते हुए मेकर्स ने लिखा, मेरा जी नहीं भरा एक प्यारा सा रोमांटिक गाना है जो फिल्म की कहानी में भावनाओं का एक नया मोड़ लेकर आता है. इसके विजुअल्स आंखों को सुकून देने वाले हैं और बैकग्राउंड्स काफी शानदार हैं, जो लीड जोड़ी की केमिस्ट्री को और भी निखारते हैं और फिल्म की दुनिया में एक इमोशनल गहराई जोड़ते हैं।

इंडियन सिनेमा के सबसे यादगार रोमांटिक गानों को अपनी आवा देने वाली श्रेया घोषाल और अपनी रूहानी आवाज के लिए मशहूर विशाल मिश्रा, अब सलमान खान की फिल्म के इस दिल छू लेने वाले

गाने के लिए साथ आए हैं. इस ट्रैक को शमीर टंडन और कुमार गौरव सिंह ने कंपोज किया है, जबकि इसके बोल विश्वदीप जीस्त ने लिखे हैं. शबीना खान की कोरियोग्राफी इस गाने में एक अलग ही खूबसूरती और ग्रेस जोड़ती है।

फर्रे और क्लास व स्ट्रेंज सिटी जैसी ओटीटी सीरीज के लिए पहचाने जाने वाले जैन इस रोल के साथ अपनी वर्सेटिलिटी (बहुमुखी प्रतिभा) दिखा रहे हैं. वहीं, अभिश्री सेन इस फिल्म के साथ एक प्रॉमिसिंग डेब्यू कर रही हैं. यह गाना न केवल मातृभूमि में रोमांस का तड़का लगाता है, बल्कि मुश्किल हालातों में प्यार और इंसानियत ढूंढने की इसकी थीम को भी पूरा करता है.सलमान खान फिल्म्स के बैनर तले सलमान खान द्वारा प्रोड्यूस और अपूर्व लाखिया के डायरेक्शन में बनी मातृभूमिः मे वॉर रेस्ट इन पीस, बहादुरी, बलिदान और हिम्मत की एक सच्ची कहानी पेश करने का वादा करती है. फिल्म में चित्रांगदा सिंह भी एक अहम भूमिका में नजर आएंगी।

इच्छामृत्यु पर आधारित आदिल हुसैन की फिल्म मर्सी की पहली झलक सामने आई, इस दिन होगी रिलीज

आदित हुसैन स्टारर फिल्म 'मर्सी' की पहली झलक आज सामने आ गई है। इसके साथ ही मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट भी जारी कर दी है। कई फिल्म फेस्टिवल्स में सराहना बटोरने के बाद फैंस इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अब फिल्म की पहली झलक देखने के बाद फैंस का उत्साह फिल्म को लेकर और भी बढ़ गया है। मेकर्स ने सोशल मीडिया पर फिल्म की पहली झलक साझा की है। 'मर्सी' निष्क्रिय इच्छामृत्यु जैसे संवेदनशील विषय पर आधारित है। फिल्म में गहरा इमोशन, दुख और दर्द देखने को मिलता है। साथ ही यह फिल्म मानवता और लीगल प्रक्रिया को भी दर्शाती है। फिल्म जीवन के अंतिम पड़ाव पर खड़े एक परिवार की भावनात्मक सीमाओं पर केंद्रित एक दिल को छू लेने वाली कहानी के रूप में सामने आती है। फिल्म की पहली झलक में भी यही देखने को मिलता है।मेकर्स ने फिल्म की पहली झलक साझा करते हुए कैप्शन में लिखा, 'हर विदाई में प्यार और बिछड़ने की कहानी छिपी होती है। मर्सी की पहली झलक चुनिंदा सिनेमाघरों में धुरंधर द रिवेंज के साथ दिखाई जा रही है। मर्सी जुड़ाव, देखभाल और जाने देने के लिए जरूरी शांत शक्ति की एक गहरी मानवीय कहानी दिखाती है।

कॉन सिटी का टीजर आया सामने, अर्जुन दास और अन्ना बेन के साथ इम्मान अन्नाची का दिखा नया अंदाज

दक्षिण भारतीय सिनेमा में इन दिनों निर्देशक हरीश दुरईराज की आने वाली कॉमेडी-फैमिली एंटरटेनर कॉन सिटी काफी चर्चा में है। इस फिल्म को लेकर दर्शकों में पहले से ही उत्सुकता का माहौल है। इस कड़ी में फिल्म मेकर्स ने टीजर जारी किया है और बताया कि फिल्म में इम्मान अन्नाची कौन सा किरदार निभा रहे हैं।फिल्म के प्रोडक्शन हाउस पॉवरहाउस पिक्चर्स ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर लिखा, हर गली की अपनी कहानी होती है। कॉन सिटी में इम्मान अन्नाची से मिलिए, जो चुट्टी अन्ना का किरदार निभा रहे है। यह फिल्म हरीश दुरईराज द्वारा बनाई गई है और जल्द ही आपके नजदीकी थिएटर में आएगी। टीजर की शुरुआत ही दर्शकों को रोमांचित कर देती है।

टीजर में देखा जा सकता है कि अर्जुन दास अपने घर से भागकर सुरक्षित जगह पर पहुंचते है, लेकिन उनके पीछे बड़ा खतरा है। उन्हें फोन पर पैसे मांगने वाला एक व्यक्ति लगातार धमकी दे रहा है। मनी लेंडर अर्जुन दास को धमकी देता है कि अगर उसने धोखा दिया तो वह उसके परिवार को नहीं छोड़ेगा। इस पर अर्जुन दास गुस्से में जवाब देते हैं कि वह पैसे नहीं देगा और जो करना है कर ले।

नवीन राज शंकरपु, पूजा सुहासिनी फिल्म थेराचापा का ट्रेलर लॉन्च हुआ

अनन्या क्रिएशन्स बैनर के तहत कैलाश दुर्गम द्वारा निर्मित आगामी फिल्म थेराचापा का ट्रेलर भव्य तरीके से लॉन्च किया गया है। जोएल जॉर्ज द्वारा निर्देशित, फिल्म में नवीन राज शंकरपु, पूजा सुहासिनी और श्रीलु प्रमुख भूमिकाओं में हैं, जिसमें राजीव कनकला, पृथ्वीराज, जगदीश प्रताप बंडारी, फिश वेंकट, जबरदस्त अशोक, नागी, अप्पाराव, राइजिंग राजू, राजेश भूपति, नागा वामसी, श्रीनिवास नेसा, चंद्रा और अन्य शामिल हैं।

फिल्म की छायांकन अज़ीम और वेंकट ने की है, जबकि संगीत प्रजल कृष्ण ने तैयार किया है और पृष्ठभूमि संगीत एमएल राजा ने दिया है। संपादन राजू बोदासिंगी ने किया है और कोरियोग्राफी जीवन जॉर्ज ने की है।

विक्की कौशल की महावतार में श्रद्धा कपूर होंगी शामिल? फिल्म पर आया बड़ा अपडेट

विक्की कौशल के लिए साल 2025 बेहद शानदार साबित हुआ। उनकी ऐतिहासिक फिल्म छावा ने भारत में करीब 800 करोड़ के आसपास कारोबार करते हुए उन्हें सफलता दिलाई। अब फैंस की नजरें अभिनेता की अगली फिल्म महावतार पर टिकी हुई हैं। मैडॉक फिल्म्स द्वारा निर्मित इस पौराणिक महाकाव्य को लेकर ताजा अपडेट है कि अभिनेत्री श्रद्धा कपूर इस परियोजना से जुड़ सकती हैं। इस खबर ने अभी से फैंस को बेहद उत्साहित कर दिया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, स्त्री फ्रैंचाइजी के निर्देशक अमर कौशिक अपनी महात्वकांक्षी परियोजना महावतार के लिए श्रद्धा से बाचीत कर रहे हैं। अगर सबकुछ तय हो जाता है तो फिल्म की शूटिंग जून, 2026 से शुरू की जा सकती है। सूत्र ने कहा, श्रद्धा इस किरदार के लिए बिल्कुल सही हैं। टीम ऐसी अभिनेत्री की तलाश में थी जो स्टार वैल्यू और दमदार उपस्थिति ला सके। निर्माताओं को उम्मीद है कि विक्की कौशल के साथ उनकी जोड़ी दर्शकों को पसंद आएगी।महावतार में विक्की के साथ मुख्य किरदार के लिए श्रद्धा पहली अभिनेत्री नहीं हैं, उनसे पहले दीपिका पादुकोण का नाम चर्चा में था। ऐसी खबर थी कि दीपिका इस पौराणिक परियोजना में विक्की के साथ मुख्य महिला किरदार निभा सकती हैं, क्योंकि निर्माता उनके साथ बातचीत कर रहे हैं। अब ऐसा लगता है कि फिलहाल निर्माताओं ने श्रद्धा पर अपना ध्यान केंद्रित कर लिया है। फिलहाल श्रद्धा को आने वाले समय में बायोपिक फिल्म ईथा में देखा जाएगा।

गर्मियों के दौरान ड्रैगन फ्रूट से बनाएं ये 5 स्वादिष्ट व्यंजन, देंगे ठंडक और ताजगी

ड्रैगन फ्रूट एक खास और पौष्टिक फल है। यह न केवल दिखने में सुंदर है, बल्कि खाने में भी बहुत स्वादिष्ट है। गर्मियों में इसकी ताजगी और मिठास का आनंद लेना खासतौर पर सुखद लगता है। आइए आज हम आपको ड्रैगन फ्रूट से बनने वाले कुछ ऐसे व्यंजनों की रेसिपी बताते हैं, जिन्हें घर पर बनाना आसान है और ये आपके खाने का मजा दोगुना कर देंगे। इन व्यंजनों को बनाने में ज्यादा समय भी नहीं लगता।

ड्रैगन फ्रूट शेक

ड्रैगन फ्रूट शेक एक बेहतरीन पेय है, जो आपको गर्मियों में तरोताजा रख सकता है। इसे बनाने के लिए सबसे पहले एक मिक्सर में कटे हुए ड्रैगन फ्रूट के टुकड़े डालें, फिर उसमें दूध, चीनी (स्वादानुसार) और थोड़ी-सी बर्फ डालकर अच्छे से मिला लें। जब यह मिश्रण एकसार हो जाए तो उसे गिलास में डालें और ऊपर से थोड़ी-सी बर्फ डालकर परोसें। यह पेय न केवल स्वादिष्ट है, बल्कि इसमें मौजूद पोषक तत्व भी आपको ऊर्जा देंगे।

ड्रैगन फ्रूट आइसक्रीम

गर्मियों में ठंडी-ठंडी आइसक्रीम का मजा ही कुछ अलग होता है। अगर आप इसे घर पर बनाना चाहते हैं तो सबसे पहले एक मिक्सर में कटे हुए ड्रैगन फ्रूट के टुकड़े डालें और अच्छे से मिला लें। अब इस मिश्रण को एक बर्तन में डालकर उसमें मीठा गाढ़ा दूध, मलाई और थोड़ा-सा दूध मिलाएं। इसे फ्रीजर में जमने के लिए रख दें। जब यह पूरी तरह जम जाए तो इसे निकालकर परोसें।

ड्रैगन फ्रूट सलाद

ड्रैगन फ्रूट सलाद एक सेहतमंद विकल्प हो सकता है, जिसे आप अपने लंच या डिनर में शामिल कर सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले एक बड़े बर्तन में कटे हुए ड्रैगन फ्रूट के टुकड़े, सेब, केला और अंगूर डालें। अब ऊपर से थोड़ी-सी दही, शहद और नींबू का रस डालकर सबको अच्छे से मिलाएं। यह सलाद न केवल स्वादिष्ट है, बल्कि इसमें मौजूद विटामिन और मिनरल आपके स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद होते हैं।

ड्रैगन फ्रूट पैनकेक

सुबह के नाश्ते में कुछ नया आजमाना चाहते हैं तो ड्रैगन फ्रूट पैनकेक बना सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले एक बर्तन में मैदा, बेकिंग पाउडर, चीनी और दूध मिलाकर घोल तैयार करें। अब इसमें कटे हुए ड्रैगन फ्रूट के टुकड़े डालें। तवे पर थोड़ा-सा तेल गर्म करके इस घोल को डालें और दोनों तरफ से सुनहरा होने तक सेंक लें। इसे गर्मा-गर्म परोसें और इसका आनंद लें। आप ऊपर से अन्य फल भी डाल सकते हैं।

ड्रैगन फ्रूट मूस

अगर आप कोई हल्की-फुलकी मिठाई खाना चाहते हैं तो ड्रैगन फ्रूट मूस चखकर देखें। इसके लिए सबसे पहले एक बर्तन में मलाई फेंट लें, फिर इसमें मीसा हुआ ड्रैगन फ्रूट का पेस्ट मिलाएं। अब इसमें थोड़ा-सा मीठा गाढ़ा दूध डालें और सबको अच्छे से मिलाएं। यह मिश्रण को कप या गिलास में डालकर फ्रिज में ठंडा होने के लिए रख दें। जब यह पूरी तरह सेट हो जाए तो इसे निकालकर परोसें।

खाना बनाना सीखना चाहते हैं? इन 5 तरीकों से बढ़ाएं अपनी रसोई की काबिलियत

खाना बनाना एक कला है, जिसे सीखना और सुधारना कभी भी मुश्किल नहीं होता। अगर आप रसोई में नई-नई चीजें बनाना चाहते हैं तो कुछ आसान तरीकों से आप अपनी रसोई की काबिलियत को बढ़ा सकते हैं। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे तरीके बताएंगे, जिनसे आप न केवल खाना बनाना सीखेंगे, बल्कि अपने परिवार और दोस्तों को भी खुश कर सकेंगे। इन तरीकों से आप रसोई में अधिक आत्मविश्वास के साथ काम कर सकेंगे।

रसोई की सफाई और व्यवस्था बनाए रखें

रसोई की सफाई और व्यवस्था बनाए रखना बहुत जरूरी है। इससे न केवल काम करने में आसानी होती है, बल्कि आपको हर चीज आसानी से मिल भी जाती है। रोजाना अपने किचन के काउंटर को साफ करें, बर्तन तुरंत धो लें और सामग्री को सही जगह पर रखें। इसके अलावा हर हफ्ते अपने मसाले और खाने की चीजों को व्यवस्थित करें ताकि आपको पता रहे कि कौन-सी सामग्री कहां रखी हुई है।

सरल रेसिपी से शुरुआत करें

अगर आप नए हैं तो सरल रेसिपी से शुरुआत करें। जैसे कि सूप, सलाद या आम पकोड़ी आदि। इनसे आपको बुनियादी तकनीकें सीखने को मिलेंगी और आत्मविश्वास भी बढ़ेगा। धीरे-धीरे आप अधिक जटिल व्यंजन भी बना सकेंगे। इसके अलावा इन सरल रेसिपीज से आप अलग-अलग मसालों और सामग्रियों का उपयोग भी सीखेंगे, जिससे आपके खाने का स्वाद और गुणवत्ता दोनों ही बेहतर होंगे। इस तरह आप खाना बनाने में माहिर हो जाएंगे।

ऑनलाइन ट्यूटोरियल्स का करें उपयोग

आजकल इंटरनेट पर कई ऑनलाइन ट्यूटोरियल्स उपलब्ध हैं, जो आपके लिए बहुत मददगार साबित हो सकते हैं। वीडियो चैनल्स, ब्लॉग्स और ऐप्स की मदद से आप नई-नई रेसिपी सीख सकते हैं और उन्हें घर पर आजमा सकते हैं। इन ट्यूटोरियल्स से आपको अलग-अलग तकनीकों और टिप्स मिलेंगे, जो आपके खाना बनाने के अनुभव को और भी बेहतर बनाएंगे। इसके अलावा आप ऑनलाइन समुदाय का हिस्सा बनकर अन्य लोगों से भी सीख सकते हैं।

सही उपकरणों का करें चयन

खाना बनाने के लिए सही उपकरणों का होना बहुत जरूरी है। अच्छे चाकू, कटिंग बोर्ड, पैन और बर्तन रखें ताकि काम आसानी से हो सके। इसके अलावा मिक्सर ग्राइंडर, प्रेशर कुकर जैसी चीजें भी आपकी रसोई को सुविधाजनक बनाएंगी। सही उपकरणों से न केवल आपका समय बचेगा बल्कि आपका काम भी आसान होगा। इनसे आप अधिक कुशलता से खाना बना सकेंगे और आपके व्यंजनों की गुणवत्ता भी बेहतर होगी।

धैर्य रखें और प्रयोग करते रहें

खाना बनाना एक ऐसी कला है जिसमें धैर्य रखना बहुत जरूरी है। शुरुआत में कुछ गलतियां हो सकती हैं, लेकिन उनसे सीखकर आप बेहतर होंगे। लगातार प्रयोग करते रहने से आपकी तकनीक सुधरेगी और आपका आत्मविश्वास भी बढ़ेगा।

इन सभी तरीकों को अपनाकर आप अपनी रसोई की काबिलियत बढ़ा सकते हैं और खाना बनाना सीख सकते हैं। याद रखें, अभ्यास ही सफलता की कुंजी है।

नासा का मिशन आर्टेमिस 2 सफल, चांद के पास जाकर लौटे चारों अंतरिक्ष यात्री

वाशिंगटन (आरएनएस)। अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा का मिशन आर्टेमिस 2 सफलतापूर्वक पूरा हो चुका है। मिशन में शामिल चारों अंतरिक्ष यात्री सुरक्षित धरती पर वापस लौट चुके हैं। शनिवार सुबह नासा के अंतरिक्ष यान ने सैन डिएगो कोस्ट पर लैंडिंग की। स्पेस एजेंसी ने बताया कि इस मिशन में शामिल लोगों ने 690,000 मील से ज्यादा सफर किया। 10 दिन के इस मिशन की सफलता के बाद नासा आर्मेटिस-3 की तैयारी में जुट गया है। मौजूदा मिशन में अंतरिक्ष यात्री सिर्फ चंद्रमा के पास से गुजरे, लेकिन अगले मिशन में यात्री चांद पर उतरेंगे।

अंतरिक्ष यात्रियों के वापस लौटने पर नासा ने अंतरिक्ष यान की लैंडिंग का वीडियो शेयर किया। इसके साथ ही एक्स पर लिखा, रीड, विक्टर, क्रिस्टीना और जेरेमी, आपका घर में स्वागत है!आर्टेमिस 2 एस्ट्रोनॉट्स 11 अप्रैल को रात 8:07 बजे (अमेरिकी समय के अनुसार) चांद पर उतर गए हैं, जिससे चांद के चारों ओर उनका ऐतिहासिक 10-दिन का मिशन खत्म हो गया है।

पहले यह मिशन फरवरी में निर्धारित था, लेकिन हाइड्रोजन ईंधन रिसाव के कारण इसे टालना पड़ा। रिसाव ठीक करने के बाद हीलियम प्रेशर लाइन में रुकावट आ गई, जिसके चलते रॉकेट को पिछले महीने के अंत में फिर से मरम्मत के लिए ले जाना पड़ा। करीब डेढ़ सप्ताह पहले रॉकेट को दोबारा प्रक्षेपण स्थल पर लाया गया, जबकि अमेरिकी-कनाडाई दल शुक्रवार को यहां पहुंच चुका है। यह मिशन

ऐतिहासिक अपोलो कार्यक्रम से अलग है, जिसके तहत 1968 से 1972 के बीच केवल पुरुषों को चंद्रमा पर भेजा गया था। 53 साल बाद अब चंद्रमा पर जा रहे आर्टेमिस-2 के दल में एक महिला, अश्वेत अंतरिक्ष यात्री और एक गैर-अमेरिकी सदस्य शामिल हैं।

नासा के पास आर्टेमिस-2 के प्रक्षेपण के लिए अप्रैल के पहले छह दिनों का समय था। यदि इस दौरान प्रक्षेपण नहीं हो पाता है, तो नासा को अप्रैल के अंत तक इंतजार करना पड़ता। हालांकि, नासा ने इसी समय में आर्टेमिस-2 का सफलतापूर्वक प्रक्षेपण किया। यह 50 साल से ज्यादा समय बाद पहला मानवयुक्त चंद्र मिशन रहा। यह मिशन दो साल में चांद पर उतरने की नासा की कोशिश की शुरुआत है। अमेरिका के तीन और कनाडा के एक अंतरिक्ष यात्री को लेकर 32 मंजिला रॉकेट नासा के केनेडी स्पेस सेंटर से रवाना हुआ था, जहां इस नए युग की शुरुआत देखने के लिए दस हजार के करीब लोग एकत्र हुए थे।

आसपास की सड़कें और समुद्र तट भी लोगों से खचाखच भरे हुए थे, जिससे 1960 और 70 के दशक के अपोलो चंद्र अभियानों की याद ताजा हो गई। यह चांद पर स्थायी मौजूदगी स्थापित करने की दिशा में नासा का अब तक का सबसे बड़ा कदम है।

आर्टेमिस 2 ने फ्लोरिडा के उसी प्रक्षेपण स्थल से उड़ान भरी जहां से बहुत पहले अपोलो के अंतरिक्ष यात्रियों को चांद पर भेजा गया था। उनमें से जो चंद लोग अब भी जीवित हैं, उन्होंने भी स्पेस लॉन्च सिस्टम रॉकेट से उड़ान भर रही नयी पीढ़ी का उत्साह बढ़ाया। आर्टेमिस 2 के कमांडर रीड वाइजमैन ने चलो चांद पर चलते हैं! के घोष के साथ अंतरिक्ष की ओर इस अभियान की अगुवाई की और उनके साथ पायलट विक्टर ग्लोवर, क्रिस्टीना कोच और कनाडा के जेरेमी हैनसेन थे। अंतरिक्ष यात्री अपनी 10 दिवसीय यात्रा के पहले 25 घंटे पृथ्वी के करीब ही रहे।

होर्मुज जलडमरूमध्य में बारूदी सुरंगें बिछाकर खुद लोकेशन भूल गया ईरान

वाशिंगटन,(आरएनएस)।पाकिस्तान में अमेरिका-ईरान शांति वार्ता के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। अमेरिकी अधिकारियों का मानना है कि फिलहाल ईरान होर्मुज को चाहकर भी पूरी तरह खोल नहीं सकता, क्योंकि वो यहां बिछाई गई बारूदी सुरंगों की लोकेशन खुद भूल गया है। रिपोर्ट में ये भी दावा किया गया है कि ईरान के पास इन सुरंगों को हटाने के लिए जरूरी संसाधन भी नहीं है।

रिपोर्ट के अनुसार, ईरान ने युद्ध के दौरान छोटे जहाजों के जरिए आनन-फानन में होर्मुज में बारूदी सुरंगें बिछाई थीं, लेकिन यह प्रक्रिया पूरी तरह व्यवस्थित नहीं थी। कई सुरंगों की लोकेशन का रिकॉर्ड दर्ज नहीं किया गया, जबकि कुछ समुद्र के बहाव में बह भी गईं। यही वजह है कि अब खुद ईरान इन्हें ढूंढ नहीं पा रहा है। वहीं, सुरंगों को हटाने की तकनीकी क्षमता भी ईरान के पास नहीं है। हाल ही में ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा था कि होर्मुज को तकनीकी सीमाओं को ध्यान में रखते हुए खोला जाएगा।

मारे गए स्कूली बच्चों की तस्वीरें-बैग लेकर इस्लामाबाद पहुंचा ईरानी प्रतिनिधिमंडल, मिनाब 168 रखा विमान का नाम

इस्लामाबाद,(आरएनएस)। अमेरिका से बातचीत के लिए ईरान का एक प्रतिनिधिमंडल पाकिस्तान के इस्लामाबाद पहुंच चुका है। इस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व ईरान की संसद के स्पीकर मोहम्मद बाकेर गालिबाफ कर रहे हैं। उन्होंने एक ऐसी तस्वीर साझा की है, जिसे देखकर आप भावुक हो जाएंगे। ये तस्वीर उन बच्चों की है, जो 28 फरवरी को अमेरिकी-इजरायली हमले में मारे गए थे। ईरानी प्रतिनिधिमंडल अपने विमान की सीटों पर इन बच्चों की तस्वीरें और बैग लेकर पहुंचा है।

गालिबाफ ने इन तस्वीरों को साझा करते हुए लिखा, मेरे इस सफर के साथी। बच्चों की तस्वीरों और बैग के साथ सीटों पर उनके खून से सने हुए जूते भी रखे हुए हैं। हर सीट पर एक फूल भी रखा है। गालिबाफ बच्चों के चेहरों और उनके स्कूल बैग को निहारते नजर आ रहे हैं और खामोशी से खड़े हैं। सोशल मीडिया पर ये तस्वीर वायरल हो रही है।

दरअसल, 28 फरवरी को मिनाब स्थित एक प्राथमिक स्कूल पर इजरायल और अमेरिका ने हमला किया था, जिससे स्कूल पूरी तरह तबाह हो गया था और 168 बच्चे मारे गए थे। इन बच्चों को श्रद्धांजलि के प्रतीक के तौर पर ईरानी प्रतिनिधिमंडल ने विमान का नाम भी मिनाब 168 रखा है। अमेरिकी सेना का मानना है कि ये हमला संभवत: गलती से हुआ था। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने कहा था कि इस मामले की जांच जारी है।

ईरान के सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई के चेहरे पर चोटें, पैरों को भी नुकसान

तेहरान,(आरएनएस)। ईरान के सुप्रीम लीडर चुने जाने के बाद से मोजतबा खामेनेई अभी तक सार्वजनिक तौर पर नजर नहीं आए हैं। वे केवल सोशल मीडिया पर लिखित में ही बयान जारी कर रहे हैं। इससे उनके स्वास्थ्य को लेकर कई तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। अब सामने आया है कि मोजतबा के चेहरे पर गंभीर चोटें हैं और संभवत- उनका एक या दोनों पैर भी काम नहीं कर रहे हैं।

सूत्रों ने मोजतबा के 3 करीबी सूत्रों के हवाले से अपनी रिपोर्ट में बताया है कि वे अभी भी उस हवाई हमले में लगी गंभीर चोटों से उबर रहे हैं, जिसमें उनके पिता अली खामेनेई की मृत्यु हो गई थी। सूत्रों के अनुसार, मोजतबा के चेहरे पर गंभीर चोटें आई हैं और उनके एक या दोनों पैरों को भी नुकसान पहुंचा है। बताया जाता है कि हमले में उनका चेहरा बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि चोटों के बावजूद मोजतबा की मानसिक स्थिति अच्छी बताई जा रही है और वे शासन-प्रशासन के नियमित कामों में सक्रिय रूप से शामिल हैं। 2 सूत्रों ने बताया कि वे ऑडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठकों में शामिल हो रहे हैं और युद्ध और अमेरिका के साथ बातचीत सहित अहम मुद्दों पर निर्णय लेने में अपनी भूमिका निभाते रहे हैं।

28 फरवरी को अमेरिकी-इजरायली हमले में आयातुल्लाह अली खामेनेई का निधन हो गया था। इसी हमले में मोजतबा भी घायल हुए थे। इसके बाद 8 मार्च को उन्हें ईरान का नया सुप्रीम लीडर चुना गया। तब से मोजतबा सार्वजनिक रूप से नहीं दिखाई दिए हैं। 12 मार्च को सरकारी टीवी पर मोजतबा का एक संदेश प्रसारित हुआ था, लेकिन ये पहले से रिकॉर्ड किया गया था। 20 मार्च को उन्होंने फारसी नव वर्ष पर अपना संदेश दिया था।

28 मार्च को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया था कि मोजतबा या तो मर चुके हैं या उनकी हालत बेहद खराब है। 13 मार्च को अमेरिका के रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने कहा था कि मोजतबा घायल हैं और संभवत: उनका चेहरा विकृत हो गया है।

अमेरिका में जेडी वेंस कर सकते हैं ट्रंप का तख्तापलट: मुशाहिद हुसैन

कहा- ट्रंप 40 दिन में कुछ नहीं कर सके, ईरान मजबूत और तनकर खड़ा है

इस्लामाबाद,(ए.)। पाकिस्तान सांसद का दावा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ तख्तापलट हो सकता है। पाकिस्तानी सीनेटर मुशाहिद हुसैन ने कहा है कि अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस इसमें भूमिका अदा कर सकते हैं। हुसैन की यह टिप्पणी अमेरिका और ईरान के बीच हो रही बातचीत से पहले आई है। यह बातचीत शनिवार को पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में हो रही है, जिसमें जेडी वेंस अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एक कार्यक्रम में मुशाहिद हुसैन ने दावा किया कि अमेरिका इस बातचीत में अपना चेहरा बचाने के लिए शामिल हुआ है। उन्होंने कहा कि अमेरिका यह जंग हार चुका है और वह इससे निकलना चाह रहा है। ट्रंप जंग को एग्जिट करना चाह रहे थे। वो 40 दिन में कुछ नहीं कर सके। ईरान जो मजबूत और तनकर खड़ा है, उसने यह संदेश दिया है कि ताकतवर हमेशा सही की अवधारणा गलत है। ट्रंप के खिलाफ महाभियोग के सवाल पर हुसैन ने कहा कि अमेरिका में 25वें

संशोधन की चर्चा शुरू हो गई है। उन्होंने टकर कार्लसन जैसे अमेरिकी कमेंटेटर का हवाला दिया। हुसैन ने कहा है कि ईस्टर पर ट्रंप के ट्वीट को लेकर अमेरिका में नाराजगी है और जेडी वेंस की तरफ से तख्तापलट हो सकता है।रिपोर्ट के मुताबिक हुसैन ने एक टीवी कार्यक्रम में कहा था कि यूएई की एक करोड़ आबादी में 43 लाख भारतीय हैं। उन्होंने जहर उगलते हुए कहा कि आपकी दोस्ती जो इंडिया के साथ बन रही है, जहां ध्यान रखिए कहीं आप भी अखंड भारत का हिस्सा न बन जाएं।

सबसे पुराना ऑक्टोपस निकला फर्जी, वह समुद्री जीव नॉटिलॉइड था

नई स्टडी में खुलासा, सड़-गल जाने से बनावट ऑक्टोपस जैसी हो गई थी

लंदन,(ए)। करीब 30 करोड़ साल पुराने जिस फॉसिल को अब तक दुनिया का सबसे पुराना ऑक्टोपस माना जा रहा था, वह असल में ऑक्टोपस नहीं था। नई स्टडी में इसको गलत बताया है। ब्रिटेन के वैज्ञानिकों ने आधुनिक तकनीकों की मदद से इस फॉसिल की दोबारा जांच की। स्टडी के प्रमुख लेखक के मुताबिक, यह फॉसिल ऑक्टोपस का नहीं, बल्कि नॉटिलस से जुड़े एक समुद्री जीव नॉटिलॉइड है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह फॉसिल साउथ अमेरिका के अमेजन क्षेत्र के मेजोन क्रीक इलाके में मिला था। पहले की तकनीकों से इसकी सही पहचान नहीं हो पाई थी, क्योंकि मरने के बाद यह जीव काफी सड़-गल गया था और इसकी बनावट ऑक्टोपस जैसी थी। नई स्टडी में एडवांस एक्स-रे तकनीक का इस्तेमाल किया गया।

खेल समाचार

वैभव की एक और तूफानी पारी, राजस्थान ने आरसीबी को हराकर लगातार चौथी जीत दर्ज की

नईदिल्ली,(ए.)। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के 16वें मैच में राजस्थान रॉयल्स ने आरसीबी को 6 विकेट से हराकर इस सीजन अपनी लगातार चौथी जीत दर्ज की. 202 रनों के लक्ष्य को राजस्थान ने वैभव सूर्यवंशी के 26 गेंद में 78 और ध्रुव जुरेल के 43 गेंद में 81 रनों की नाबाद पारी की बदौलत 12 गेंद शेष रहते ही हासिल कर लिया. जडेजा भी 25 गेंद में 24 रन बनाकर नाबाद रहे।

वैभव सूर्यवंशी ने एक बार फिर तूफानी पारी खेलकर सबका दिल जीत लिया. उन्होंने 15 गेंद में अपनी फिफ्टी पूरी की, और मैच में 26 गेंद में 78 रन बनाकर आउट हुए. जिसमें 8 चौके और 7 छक्के शामिल हैं. वहीं ध्रुव जुरेल 43 गेंद में 81 रन बनाकर नाबाद रहे. उन्होंने अपनी पारी के दौरान 8 चौके और 3 छक्के शामिल हैं. आरसीबी की तरफ से जोश हेजलवुड और क्रुनाल पांड्या ने दो-दो विकेट लिए।

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए आरसीबी ने 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 201 रन बनाए. जिसमें विराट कोहली ने 16 गेंद में 32, कप्तान रजत पाटीदार 40 गेंद में 63, आखिर में रोमारिओ शेफर्ड के 11 गेंद में 22 और वेंकटेश अय्यर के 15 गेंद में 29 रन सबसे महत्वपुर्ण रहे. राजस्थान की तरफ से जोफ्रा ऑर्चर, रवि बिश्नोई और ब्रिजेश शर्मा ने 2-2 विकेट लिए. जबकि संदीप शर्मा और रवींद्र जडेजा को एक-एक विकेट मिला।

दोनों टीमों की प्लेइंग-11

राजस्थान रॉयल्स (प्लेइंग इलेवन): यशस्वी जयसवाल, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रियान पराग (कप्तान), शिम्रोन हेटमायर, डोनोवन फरेरा, रवींद्र जड़ेजा, जोफ्रा आर्चर, नंद्रे बर्गर, संदीप शर्मा, रवि बिश्नोई, ब्रिजेश शर्मा।

इम्पैक्ट प्लेयर: वैभव सूर्यवंशी

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (प्लेइंग इलेवन): विराट कोहली, फिलिप साल्ट, देवदत्त पडिक्कल, रजत पाटीदार (कप्तान), जितेश शर्मा (डब्ल्यू), टिम डेविड, रोमारियो शेफर्ड, क्रुणाल पंड्या, भुवनेश्वर कुमार, अभिनंदन सिंह, जोश हेज़लवुड इम्पैक्ट प्लेयर: वेंकटेश अय्यर।

वैभव सूर्यवंशी के इंडिया डेब्यू की जोरदार मांग, क्या टूटेगा सचिन का रिकॉर्ड

नई दिल्ली (ए.)। क्रिकेट जगत में इन दिनों 15 वर्षीय युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी का नाम हर किसी की जुबान पर है। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपने धमाकेदार प्रदर्शन से उन्होंने न केवल सबको चौंका दिया है, बल्कि टीम इंडिया में उनके डेब्यू को लेकर भी जोरदार बहस छिड़ गई है। उनकी असाधारण प्रतिभा को देखते हुए, ऐसी संभावना जताई जा रही है कि वे महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का भारत के लिए सबसे कम उम्र में अंतरराष्ट्रीय डेब्यू करने का रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं। सचिन ने 16 साल और 205 दिन की उम्र में भारत के लिए पदार्पण किया था।

आईपीएल के मौजूदा सीज़न में, राजस्थान रॉयल्स का हिस्सा रहे वैभव ने सिर्फ चार मैचों में 266.66 के अद्भुत स्ट्राइक रेट से 200 रन बनाए हैं, जिसमें दो ताबड़तोड़ अर्धशतक शामिल हैं। हाल ही में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ हुए मुकाबले में, उन्होंने अपनी बल्लेबाजी का लोहा मनवाया। 26 गेंदों में 8 चौकों और 7 छक्कों की मदद से 78 रनों की तूफानी पारी खेलकर उन्होंने 202 रनों का लक्ष्य दो ओवर शेष रहते हासिल करने में अपनी टीम की मदद की। इस यादगार प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया।

वैभव की इस शानदार फॉर्म से प्रभावित होकर, आईपीएल चेयरमैन अरुण धूमल ने उन्हें टीम इंडिया में डेब्यू का प्रबल दावेदार बताया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि वैभव जैसा प्रतिभाशाली खिलाड़ी, इतनी कम उम्र में, भारत के लिए सबसे कम उम्र में डेब्यू करने का हकदार है। धूमल ने जोर देकर कहा कि ऐसे दुर्लभ मौके को भुनाना चाहिए। धूमल की इस पोस्ट पर प्रशंसकों की भी जबरदस्त प्रतिक्रिया देखने को मिली, जिसमें कई यूजर्स ने वैभव को अविश्वसनीय टैलेंट करार देते हुए उनके तत्काल डेब्यू की वकालत की।यह उल्लेखनीय है कि 15 वर्षीय वैभव अब सीनियर पुरुष टीम के लिए खेलने के पात्र हो चुके हैं। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने अंडर-19 टीम में भी अपना जलवा दिखाया है, जहां उन्होंने वर्ल्ड कप फाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ 175 रन की एक शानदार पारी खेली थी। आईपीएल में, वे जसप्रीत बुमराह जैसे दिग्गज गेंदबाजों को भी चुनौती देने से नहीं हिचकिचाते। हाल ही में उन्होंने आरसीबी के अनुभवी तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड की गेंदों पर लगातार तीन चौके जड़कर अपनी निर्भीक बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया। सामान्य तौर पर जहां 200 के स्ट्राइक रेट को बेहतरीन माना जाता है, वहीं वैभव ने कई बार 300 से अधिक के स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं।

जीटी के सामने एलएसजी की घरेलू पिच पर अग्निपरीक्षा: नए सितारे संग वापसी की चुनौती

नई दिल्ली (ए.)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) को अपने घरेलू मैदान एकाना क्रिकेट स्टेडियम पर निराशाजनक रिकॉर्ड को पीछे छोड़कर गुजरात टाइटंस (जीटी) के खिलाफ रविवार को होने वाले मुकाबले में वापसी करनी होगी। इस महत्वपूर्ण मैच से पहले, एलएसजी के पास मुकुल चौधरी के रूप में एक नया सितारा उभरा है, जिन्होंने अपनी बल्लेबाजी से सबका ध्यान खींचा है, लेकिन घरेलू मैदान पर खराब प्रदर्शन एक बड़ी चिंता का विषय बना हुआ है। दोनों टीमों ने अपने पिछले दोनों मैच जीते हैं, जिससे उनका मनोबल बढ़ा हुआ है।गुजरात टाइटंस ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ एक रन की रोमांचक जीत दर्ज कर अपना खाता खोला था, जबकि एलएसजी ने सनराइजर्स हैदराबाद और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ उनके मैदानों पर प्रभावशाली जीत हासिल की थी। हालांकि, एलएसजी एकाना क्रिकेट स्टेडियम में लगातार संघर्ष कर रहा है। उसे अपने घरेलू मैदान को एक मजबूत गढ़ बनाना है तो खेल के हर विभाग में अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

वैभव सूर्यवंशी ने भुवनेश्वर, हेजलवुड और बुमराह का सामना करने पर बोली बड़ी बात

नईदिल्ली,(ए.)। वैभव सूर्यवंशी ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ एक और मैच जिताऊ पारी खेलकर सबका दिल जीत लिया. उन्होंने 26 गेंदों में 78 रन बनाए. जिसमें 8 चौके और 7 छक्के शामिल थे. इस दौरान वैभव ने स्विंग के किंग भुवनेश्वर कुमार और ऑस्ट्रेलिया के नंबर वन गेंदबाज जोश हेजलवुड के छक्के छुड़ा दिए. 202 रनों की विशाल लक्ष्य को राजस्थान रॉयल्स ने वैभव और ध्रुव जुरेल की 81 रनों की पारी की वजह से 18 ओवर में ही 4 विकेट खोकर चेज कर लिया।

वैभव ने इस मैच में भी बेहद निडरता से खेला. उन्होंने सबसे पहले भुवनेश्वर कुमार की गेंदों पर लगातार बाउंड्री लगाई, और फिर जोश हेजलवुड के ओवर में 19 रन बनाकर उन पर भी जोरदार हमला किया. इससे पहले वौभव ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ मैच में भारत के नंबर वन गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के एक ही ओवर में दो छक्के जड़कर सबको हैरान कर दिया था।

78 रनों की शानदार पारी की वजह से वैभव को प्लेयर ऑफ दि मैच का अवॉर्ड दिया गया. मैच के बाद प्रेजेंटेशन में जब उनसे ये सवाल पूछा गया कि, क्या आप को बुमराह, भुवनेश्वर और हेजलवुड जैसे गेंदबाजों से डर नहीं लगता? तो वैभव ने अपने जवाब में कहा, सर मैं गेंद को खेलने की कोशिश करता हूं, गेंदबाज को नहीं।

मोनिरबा एकादश को हराकर लूकरगंज क्लब बना चैम्पियन

प्रयागराज, (आरएनएस)। लूकरगंज क्लब ने मोनिरबा एकादश को 133 रन से हराकर शहीद भगत सिंह स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता के खिताब पर कब्जा जमा लिया। लूकरगंज क्लब ने शनिवार को अपने मैदान पर पहले बल्लेबाजी करते हुए 30 ओवर में 317 रन (गुलशन वर्मा 66, ऋषभ ठाकुर 46, अमन मिश्रा 44, राघवेंद्र श्रीवास्तव 36, कार्तिकेय श्रीवास्तव 34, प्रमोद यादव 31 रन) बनाए। जवाब में मोनिरबा एकादश की टीम 24 ओवर में 184 रन (अनिमेष राजन 57 नाबाद, अरविंद सिंह 27, मयंक चौधरी 18) पर सिमट गई। मुख्य अतिथि इलाहाबाद हाईकोर्ट के अधिवक्ता इमरान अहमद ने पुरस्कार वितरित किया। ऋषभ ठाकुर को मैन ऑफ द मैच, गुलशन वर्मा को बेस्ट बैटर और हंसम जायसवाल को बेस्ट बॉलर एवं मैन ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया। आयोजन सचिव संदीप आर्य ने अतिथियों का स्वागत एवं धन्यवाद ज्ञापित किया।

विराट कोहली ने जीता फैंस का दिल, मैच के बाद वैभव को दिया ये शानदार गिफ्ट

नईदिल्ली, (आरएनएस)। 15 साल के वैभव सूर्यवंशी आईपीएल 2026 में शानदार बल्लेबाजी से हर किसी का दिल जीत रहे हैं. हाल ही में खेले गए आरसीबी के खिलाफ मैच में भी उन्होंने 26 गेंदों पर 78 रनों की मैच जिताऊ पारी खेली. जिससे उनकी टीम राजस्थान ने 202 रनों के विशाल लक्ष्य को 18 ओवर में ही आसानी से चेज कर लिया।

वैभव की इस पारी से आरसीबी के स्टार बल्लेबाजी विराट कोहली भी काफी ज्यादा प्रभावित हुए. उन्होंने मैच के बाद वैभव की कैप पर ऑटोग्राफ दिया, जिसपर लिखा था, डियर वैभव, वेल डन. ये पल वैभव के लिए सबसे खास था, क्योंकि वो जिस खिलाड़ी को खेलते हुए देखकर बड़े हुए हैं और वो उसी खिलाड़ी के खिलाफ खेलकर कर उससे ऑटोग्राफ ले रहे हैं।

बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप: आयुष शेट्टी ने वर्ल्ड नंबर-1 को दी मात, 61 साल बाद फाइनल में पहुंचकर रचा इतिहास

नईदिल्ली, (आरएनएस)। भारतीय शटल आयुष शेट्टी ने बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप 2026 के फाइनल में पहुंचकर इतिहास रच दिया है. वो टूर्नामेंट के मेंस सिंगल में फाइनल में पहुंचने वाले दूसरे और 1965 के बाद यहां तक पहुंचने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं. 1965 में दिनेश खन्ना ने टूर्नामेंट में गोल्ड मेडल जीतने वाले पहले खिलाड़ी बने थे।

शनिवार को निंगबो ओलंपिक स्पोर्ट्स सेंटर में पुरुषों के सिंगल्स सेमीफाइनल में आयुष ने वर्ल्ड नंबर - 1 और पेरिस 2024 के सिल्वर मेडलिस्ट कुनलावुत विटिडसर्न को हराकर चौंका दिया. वर्ल्ड में 25वीं रैंक वाले इस भारतीय खिलाड़ी ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया और पहला सेट 10-21 से हारने के बाद लगातार दो सेट 21-19, 21-17 से जीतकर फाइनल में जगह बना ली. यह मैच एक घंटा 15 मिनट तक चला।

यह जीत आयुष के लिए एक बड़ी उपलब्धि थी, क्योंकि वह 2018 में एच.एस. प्रणॉय के बाद बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में मेडल जीतने वाले पहले भारतीय पुरुष सिंगल्स खिलाड़ी बन गए हैं. इसने इस टूर्नामेंट में भारत के पोडियम पर पहुंचने के इंतजार को भी खत्म कर दिया. इससे पहले आखिरी मेडल 2023 में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की डबल्स टीम ने जीता था।

फाइनल तक का आयुष का सफर काफी शानदार रहा है. उन्होंने क्वार्टर फाइनल में ही सुर्खियां बटोरी थीं, जब उन्होंने वर्ल्ड नंबर 4 जोनाथन क्रिस्टी को 23-21, 21-17 से हराया था. यह इस इंडोनेशियाई स्टार के खिलाफ उनकी पहली जीत थी. टूर्नामेंट में इससे पहले, उन्होंने वर्ल्ड नंबर 7 ली शी फेंग को सीधे गेम में हराया था और उसके बाद चीनी ताइपे के चिन यू जेन पर भी एक और मजबूत जीत हासिल की थी.खास बात ये है कि इस टूर्नामेंट में दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट पी.वी. सिंधु दूसरे राउंड में हार गईं, जबकि लक्ष्य सेन पहले ही राउंड में हारकर बाहर हो गए, जिनसे भारत को काफी ज्यादा उम्मीदें थी. आयुष शेट्टी अब एक बड़ी उपलब्धि की दहलीज पर खड़े हैं।

रेत की बजाए खेतों से आ रहे बंपर तरबूज, किसानों की स्थिति हो रही मजबूत

खाद्यान्य, सब्जी के बाद तरबूज की पैदावार में भी अव्वल हो रहा नर्मदापुरम

बलराम शर्मा

नर्मदापुरम। नर्मदांचल की उर्वरा माटी में खाद्यान्य, सब्जी के बाद तरबूज की फसल भी बंपर आ रही है। रेत की बजाए क्षेत्र के खेतों में लगे तरबूजों से पिकप भराकर आ रही है। जिसकी नीलामी सुबह कृषि उपज मंडी के सब्जी मंडी वाले क्षेत्र में हो रही है। सोमवार से शनिवार तक हर दिन करीब 25 से 30 पिकप में तरबूज भराकर आते हैं जिसमें करीब 500 से 600 क्विंटल तक तरबूज की थोक में बिक्री होती है। आने वाले दिनों में और ज्यादा मात्रा में तरबूज आने की संभावना बन रही है। इससे किसानों की स्थिति भी मजबूत हो रही है।

फलोत्पादन की और रूझान

नर्मदांचल में अब परंपरागत खेती से हटकर फलों के उत्पादन की ओर भी किसानों का रूझान तेजी से बढ़ता जा रहा है। पहले नर्मदा और तवा की रेत के तरबूज, खरबूज, ककड़ी बड़ी मात्रा में आते थे। लेकिन अब डंगरबाड़ियों में फलों की जगह सब्जियों ने ली है। सब्जी की पैदावार भी हजारों क्विंटलों में हो रही है।

रेत की बजाय खेतों में तरबूज की खेती

नर्मदा और तवा की रेत की बजाए केसला सुखतवा, सोहागपुर व अन्य क्षेत्रों के खेतों में तरबूज की खेती हो रही हैं। इससे तरबूज का उत्पादन तेजी से बढ़ गया है। गर्मी बढ़ने के साथ ही बाजार में इसकी मांग भी खासी बढ़ गई है। पिछले कुछ दिन से मंडी में लगातार तरबूज की खेप आ रही है। पिकप में छोटे व्यापारी या किसान तरबूज की फसल लेकर आ रहे हैं।

ढाई घंटे में लाखों की बिक्री

मंडी में अनाज, सब्जी के बाद तरबूज के वाहनों के खडे होने के लिए पर्याप्त जगह है। बेचने और खरीदने वाले सुबह 9 बजे से मंडी में पहुंच जाते हैं। दो से ढ़ाई घंटे में लाखों रुपये के तरबूजों की थोक में बिक्री हो जाती है। उसके बाद जो खरीदते हैं वे अपनी दुकानें बाजार में खुले स्थान पर ढेर लगाकर 10 से लेकर 20 रुपये किलो में बेच रहे हैं।

प्रदेश के कई जिलों में भी जा रही है खेप

एक अनुमान के मुताबिक औषतन चार सौ से पांच सौ क्विंटल तरबूज की बिक्री एक दिन होती है। शहर में ही प्रतिदिन क्विंटलों से तरबूज की आवक हो रही है। इसके बाद यहां से आसपास के जिलों में तरबूज की खेप पहुंच रही है।

व्यापारियों को मिल रहा मुनाफा

किसान तरबूज की खेती करते हैं जो थोक में किसी व्यापारी को दे देते हैं। अनेक व्यापारी खेत में ही पिकप लेकर पहुंच जाते हैं। किसान से कम दाम में लेकर व्यापारी ज्यादा मुनाफा कमा रहे हैं। इन व्यापारियों द्वारा सुबह खरीदी के बाद विभिन्न शहरों में तरबूजों की खेप पहुंचाई जा रही है।

कम समय की फसल

लायसेंस धारी थोक व्यापारी गोलू तिवारी, घूड़न बाबा व किसानों एवं उद्यान केंद्र के अधिकारी कर्मचारियों ने बताया कि तरबूज की फसल कम समय में ही तैयार हो जाती है। इससे किसान इसकी ओर आकर्षित हो रहे हैं। पहले डंगरबाड़ियों में इसका सीमित उत्पादन होता था। अब अच्छा खासा हो रहा है।

दर्जन भर गांवों में हो रही खेती

जिले में तरबूज की फसल तेजी से आ रही है। जिनमें से सोहागपुर माखननगर, नर्मदापुरम, केसला ब्लाक में खेती हो रही है। पास के गांव रायपुर, डोंगरबाड़ा, जासलपुर, टील, घानाबढ़, बांद्राभान, सांगाखेड़ा, शुक्करवाड़ा फार्म, बालाभेंट, रोहना, सहित अनेक गांवों में तरबूज की खेती हो रही है। रायपुर के विनोद कहार, संतोष गौर, ईश्वरी सैनी ने बताया कि अब तेजी से किसानों का रूझान तरबूज की तरफ बढ़ रहा है। घूड़न बाबा गोलू तिवारी ने बताया कि तरबूज से सभी को फायदा हो रहा है। चाहे किसान, थोक व्यापारी या फुटकर में बेचने वाले दुकानदार सभी को लाभ मिलता है। खरीददार को भी कम पैसे में मौसमी फल मिल रहा है। वर्तमान में खपत भी अच्छी है।

इनका कहना है-

नर्मदांचल में तरबूज की खेती करने की ओर किसानों का रूझान बढ़ा है। यह नगद फसल है। कम दिनों में ही तैयार होकर फल देने लगती है। किसानों व व्यापारियों को भी अच्छा फायदा हो रहा है।

रीता उइके,
उप संचालक, उद्यानिकी

अभी और वर्षो से जमे अधिकारियों के तबादलों का हो रहा इंतजार

महाविद्यालयों के प्रोफेसरों का भी होना चाहिए तबादला

नर्मदापुरम(निप्र)। अधिकारियों के तबादले होते जा रहे हैं। कुछ के होना बांकी हैं। जाना तो उनको भी है। लेकिन इतने अधिक समय तक रहने लायक नहीं थे उनको भी ज्यादा समय दिया गया। अनेक विभागों में वर्षों से रहते हुए जिनकी कोई उपलब्धि नहीं सिर्फ कुर्सी तोड़ने का कार्य कर रहे हैं। अपने चेंबर में जब आना होता है तब आए और जब जाना हो चले गए। मुख्यालय पर ऐसे अनेक अधिकारी हैं जिनकी रबानगी अब तक हो जाना चाहिए थी। लेकिन न जाने किस कारण से वे बने हुए हैं। कुछ ज्यादा काला पीला करने वाले कुछ समय पूर्व चले गए हैं। लेकिन कुछ तो अभी भी यहां पर मूंग दल रहे हैं।

प्रोफेसरों के कब होंगे तबादले ?

कालेज में वर्षों से मूंग दल रहे कई प्रोफेसरों के तबादले क्यों नहीं होते उनको दूसरी कालेजों में क्यों नहीं भेजा जाता है। खासकर जो पढ़ाई करने की बजाए राजनीति या कुछ अन्य कार्यों में लगे रहते हैं उनका तबादला उधर झाबुआ तरफ की कालेजों में क्यों नहीं किया जाता है। उनको वेतन तो भरपूर दिया जाता है फिर सरकार इनके तबादले करने से क्यों डरती है?

कांग्रेस ने शहर को छह मंडलम में किया विभाजित

6 मंडलम अध्यक्षों की नियुक्ति की

नर्मदापुरम(निप्र)। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी ने नगर में कांग्रेस संगठन को मजबूती प्रदान करने के उद्देश्य से शहर को 6 मंडलम में विभाजित कर अध्यक्ष की नियुक्ति की है प्रदेश संगठन प्रभारी महामंत्री मंत्री संजय कामले द्वारा शनिवार को नियुक्ति की घोषणा की गई इनमें पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती मीना वर्मा पूर्व पार्षद कुलदीप राठौर पूर्व कर्मचारी नेता एसपीएम मंजुल मणि ढिमोले गुलाम हैदर जागेश यादव तुकाराम यादव को अध्यक्ष नियुक्त किया है। सभी मंडलम अध्यक्ष पार्टी के पदाधिकारियों के साथ समन्वय बनाकर पार्टी संगठन को मजबूत बनाने के लिए कार्य करेंगे। इस तरह प्रदेश कांग्रेस की सक्रियता से मुख्यालय पर भी कांग्रेस में सक्रियता आती जा रही है।

कई माह पहले हो गया था तैयार, इतने दिनों बाद आनन फानन में कलेक्ट्रेट परिसर में किया गया सांची पार्लर का शुभारंभ

नर्मदापुरम(निप्र)। कलेक्ट्रेट परिसर में सांची पार्लर के शुभारंभ को लेकर शुक्रवार और शनिवार को चर्चाओं का दौर जारी रहा। लोग कह रहे थे यह सांची पार्लर तो कई महिनों से तैयार हो चुका था। शुभारंभ के लिए किस मुहुर्त का इंतजार हो रहा था। कलेक्ट्रेट में सोनिया मीना का तो प्राय: प्रतिदिन ही आना हो रहा था। फिर इतना समय किस मुहुर्त के लिए लगाया गया। इतने दिनों बाद उन्होंने पार्लर में उपलब्ध विभिन्न उत्पादों एवं सामग्रियों के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उद्घाटन के दौरान निवृत्तमान हो रही कलेक्टर ने पार्लर संचालक अरविंद को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि इस प्रतिष्ठान के शुरू होने से कलेक्ट्रेट में कार्यरत सभी विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों सहित अन्य नागरिकों को सुविधा मिलेंगी। अब उन्हें सांची के उत्पाद आसानी से कार्यालय परिसर में ही उपलब्ध हो सकेंगे। इस अवसर पर कलेक्टर ने पार्लर से प्रथम खरीदी भी की और वहां कार्यरत कर्मचारियों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह पार्लर सभी के लिए उपयोगी साबित होगा तथा गुणवत्तापूर्ण उत्पादों की उपलब्धता सुनिश्चित करेगा।

कलेक्टर सोनिया मीना ने विस्थापित ग्राम के ग्रामवासियो के लिए जारी की 3.25 करोड़ रुपए की प्रशासनिक स्वीकृति

नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम जिले में कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना द्वारा एक महत्वपूर्ण प्रकरण का निराकरण करते हुए आवश्यक प्रशासनिक स्वीकृतियां जारी की गई हैं, जिससे विस्थापित ग्राम के ग्रामीणों को दीर्घकालिक लाभ प्राप्त होगा। प्रभारी अधिकारी

भू-अभिलेख से प्राप्त जानकारी के अनुसार, कलेक्टर सुश्री मीना ने सतपुड़ा टाइगर रिजर्व (एसटीआर) क्षेत्र से विस्थापित ग्राम बडगोंदी के लगभग 20 ग्राम वासियों को वन विभाग से मिलने वाली 3.25 करोड़ रुपए की राशि की स्वीकृति प्रदान की है। इस निर्णय से प्रभावित परिवारों को आर्थिक संबल मिलने के साथ उनके पुनर्वास को भी मजबूती मिलेगी। उल्लेखनीय है कि ग्राम वासियों के लिए राजस्व ग्राम से वन ग्राम में परिवर्तित इन ग्रामों को वन अधिकार अधिनियम के अंतर्गत यह राशि स्वीकृत की गई है। इसके अतिरिक्त कलेक्टर द्वारा नव स्वीकृत हरदा-टिमरनी मार्ग के अंतर्गत स्वीकृत प्रकरणों में भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया के तहत धारा 11 के प्रकाशन की भी स्वीकृति प्रदान की गई है। जिससे परियोजना के कार्यों में गति आएगी।

कार्यालय कलेक्टर एवं भू-अर्जन अधिकारी जिला बैतूल, मध्यप्रदेश

दूरभाष:07141-230034 (का.)07141-231033 (नि.) फेक्स : 07141-230219
E-mail: dmbetul@nic.in

क्रमांक 03/अ-82(आपसी सहमति से क्रय नीति)/2025-26/ हिवरखेड़ी/ बैतूल दिनांक 2/04/2026

ईश्तहार

म.प्र. शासन, राजस्व विभाग, भोपाल द्वारा जारी आपसी क्रय नीति के अंतर्गत आवेदक विभाग की ओर से कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन संभाग क्रमांक-2 बैतूल द्वारा जिला बैतूल में गढ़ा मध्यम सिंचाई परियोजना के अंतर्गत बांध निर्माण हेतु ग्राम ग्राम हिवरखेड़ी तहसील बैतूल जिला बैतूल के निम्नांकित भूमिस्वामियों की भूमि क्रय करने के प्रस्ताव प्रस्तुत किए गए हैं, जिसे आपसी सहमति के आधार निम्नानुसार भूमि क्रय करने की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है:-

अ.क्र.	भूमिस्वामी का नाम	ख.नं.	भूमि का रकबा (हे. में)	आपसी सहमति से क्रय करने हेतु प्रस्तावित रकबा (हे.में)
1	2	3	4	5
1.	सुरेन्द्रसिंह पिता जालमसिंह जाति- राजपूत पता- हिवरखेड़ी बैतूल (म.प्र.), भूमिस्वामी	203/3	0.705	0.400
	योग :-	1	0.705	0.400

अतएव आवेदक विभाग की ओर से कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन संभाग क्रमांक-2 बैतूल द्वारा ग्राम हिवरखेड़ी तहसील बैतूल जिला बैतूल के उपरोक्तानुसार खसरा नंबर की भूमि रकबा 0.400 हे. गढ़ा मध्यम सिंचाई परियोजना के अंतर्गत बांध निर्माण हेतु आपसी सहमति से क्रय करने के संबंध में किसी पक्षकार या किसी व्यक्ति को भूमि के स्वत्व संबंधी कोई विवाद / आपत्ति हो, तो ईश्तहार प्रकाशन की तारीख से 15 दिवस की अवधि में स्वयं या अपने अधिवक्ता या प्राधिकृत प्रतिनिधि के माध्यम से अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं भू-अर्जन अधिकारी बैतूल के समक्ष अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत समयावधि के बाद प्राप्त किसी आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 02/04/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं पद मुद्रा से जारी ।

जी/11337/26

(नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी)
कलेक्टर एवं भू अर्जन अधिकारी
बैतूल

हेलमेट पहनकर वाहन चलायें,अपनी व दूसरों की जान बचायें

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णाकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एव श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा ''शिवरानी भवन'', क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित। स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com